mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-112 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
24 अप्रैल 2026 शुक्रवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

टीसीएस केस-जबरन धर्मांतरण में शामिल थी निदा खान

पुलिस का दावा-दो महीने की प्रेग्नेंसी का हवाला देकर अग्रिम जमानत मांगी

नासिक, एजेंसी। मुंबई के नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) में यौन उत्पीड़न मामले में कंपनी की प्रोसेस एसोसिएट आरोपी निदा खान अब तक फरार है। पुलिस ने दावा किया है कि वह जबरन धर्मांतरण में शामिल थी। सेशंस कोर्ट से गिरफ्तारी पर अंतरिम सुरक्षा नहीं मिलने के बाद पुलिस ने कहा है कि निदा खान की तलाश जारी है।

उसने दो महीने की प्रेग्नेंसी का हवाला देकर अग्रिम जमानत के लिए नासिक सेशंस कोर्ट में अर्जी दी थी, लेकिन कोर्ट ने सोमवार को उसे 27 अप्रैल तक राहत देने से इनकार कर दिया था। अब अदालत 27 अप्रैल को अग्रिम जमानत याचिका और अंतरिम राहत याचिका दोनों पर सुनवाई करेगी।

इस मामले में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कंपनी की ज्यादातर पीड़िताएं मिडिल क्लास परिवारों से हैं। उनकी उम्र 21 से 30 साल के बीच है। वे एसोसिएट लेवल पर काम करती थीं और 20 हजार रुपए महीना सैलरी पाती थीं।

पीड़ित इंजीनियर बोली- गुड़ी पड़वा के दौरान छेड़छाड़ हुई पीड़ित महिला इंजीनियर ने 5 आरोपियों पर जून 2025 से मार्च 2026 के बीच लगातार यौन उत्पीड़न, पीछा करने (स्टॉकिंग) और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप लगाए हैं। उसने कहा कि एक आरोपी ने हिंदू देवी-देवताओं पर अपमानजनक टिप्पणी की।

महिला कर्मचारी ने आरोप लगाया कि उसका टीम लीडर ट्रेनिंग के बहाने उसे गलत तरीके से छूता था। वहीं, एक अन्य आरोपी ने ऑफिस की पेंट्री में गुड़ी पड़वा के दौरान उसके साथ छेड़छाड़ की। पीड़ित ने यह भी कहा कि उसकी शादीशुदा जिंदगी को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं।

जेल में नए आतंकियों की भर्ती व ट्रेनिंग, साजिश रचने वाले पाकिस्तानी संगठन के सात आरोपियों को 7 साल की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने 2023 के बेंगलुरु जेल कट्टरपंथीकरण (लश्कर-ए-तैयबा) मामले में मुख्य साजिशकर्ता और पाकिस्तानी आतंकी संगठन के सदस्य टी नसीर समेत कुल सात आरोपियों को सजा सुनाई है। सात साल के कठोर कारावास के अलावा आरोपियों पर 48000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। इन आरोपियों ने जेल में नए आतंकियों की भर्ती व ट्रेनिंग आदि की साजिश रची थी।

नसीर के अलावा, अदालत ने आरोपी सैयद सुहैल खान, मोहम्मद उमर, जाहिद तबरेज़, सैयद मुदस्सिर पाशा, मोहम्मद फैसल रब्बानी और सलमान खान को आईपीसी, यूए (पी) एक्ट, आर्म्स एक्ट और एक्सप्लोसिव सब्सटेंसेस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है।

दिल्ली में आईआरएस अफसर की बेटी की हत्या

यौन उत्पीड़न की आशंका; नौकर पर शक, डेढ़ महीने पहले काम से निकाला था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के अमर कॉलोनी इलाके में एक सीनियर IRS अफसर के घर में उनकी 22 साल की बेटी की हत्या कर दी गई। पुलिस ने बुधवार को घटना की जानकारी दी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवती के साथ पहले यौन उत्पीड़न किया गया और फिर मोबाइल फोन के चार्जिंग केबल से गला घोंटकर उसकी हत्या की गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। परिवार ने घर के एक पुराने नौकर पर शक जताया है, जिसे करीब डेढ़ महीने पहले काम से निकाला गया था।

गर्मी का असर: छत्तीसगढ़ में रेलवे स्टेशन पर पानी का छिड़काव

दिल्ली के स्कूलों में पानी पीने के लिए बजेगी घंटी; आगरा में पर्यटक बेहोश

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत में राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा, बंगाल तक कई इलाकों में हीटवेव का अलर्ट है। पिछले 5 दिनों से पारा लगातार 40 डिग्री से 45 डिग्री के बीच बना है।

तेज गर्मी का असर जनजीवन पर नजर आने लगा है। राजस्थान के टूरिस्ट प्लेस उदयपुर, जयपुर में पर्यटकों की संख्या घट गई है। यूपी के आगरा में ताजमहल देखने पहुंचे 6 पर्यटकों की तबीयत बिगड़ गई।

दिल्ली में पारा इस हफ्ते 45 डिग्री पार जा सकता है। इसके चलते दिल्ली के स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे हर 45-60 मिनट में घंटी बजाकर छात्रों को पानी पीने की याद दिलाएं। ताकि उन्हें डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके।

मध्य प्रदेश के भोपाल समेत 9 जिलों में पहली बार 'वार्म नाइट' की चेतावनी दी है। यानी इन जिलों में रात का तापमान भी 27एष्ट से ज्यादा रहेगा।

वार्म नाइट अलर्ट क्या है...

मौसम विभाग के अनुसार, जब रात का तापमान भी सामान्य से बहुत ज्यादा हो जाता है, तो उसे 'वार्म नाइट' कहा जाता है। यानी जब दिन का तापमान लगातार 40 डिग्री या उससे ऊपर हो और रात का तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री तक ज्यादा हो। इससे रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिलती और मौसम 24 घंटे गर्म बना रहता है।

दिन की तरह रात में भी लू चलेगी। उत्तर प्रदेश के 30 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। प्रयागराज में लगातार पारा 44डिग्री के ऊपर रिकॉर्ड किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तापमान 43.8डिग्री दर्ज किया गया। यहां रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर मिस्टिंग सिस्टम के तहत ठंडी फुहारें छोड़ी जा रही हैं।

पहलगाम आतंकी हमले का एक साल, सेना बोली: न्याय हमेशा होगा

मोदी ने कहा- भारत आतंकवाद के आगे कभी नहीं झुकेगा, नापाक मंसूबे कामयाब नहीं होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले को आज एक साल हो गया। कश्मीर के सभी टूरिस्ट स्पॉट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। घाटी में काम करने वाले हर पोनी, सर्विस प्रोवाइडर, लोकल गाइड के लिए क्यूआर कोड बेस्ड स्पेशल चेकिंग सिस्टम बनाया गया है।

22 अप्रैल 2025 को आतंकियों ने बैसरन घाटी में घूमने आए सैलानियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी।

इधर, आतंकी हमले को याद करते हुए पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा है- पिछले साल आज ही के दिन पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद कर रहा हूं। उन्हें कभी भुलाया नहीं जाएगा। एक राष्ट्र के तौर पर, हम दुख और संकल्प में एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा। आतंकवादियों के नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

राहुल गांधी का कोलकाता दौरा रद्द प्रशासन पर परमिशन नहीं देने का आरोप

शाह बोले- बंगाल में बाबरी मस्जिद नहीं बनने देंगे

कोलकाता/चेन्नई/नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का 23 अप्रैल को कोलकाता दौरा रद्द कर दिया गया है। पार्टी का आरोप है कि स्थानीय प्रशासन ने ममता सरकार के इशारे पर अनुमति नहीं दी।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पार्टी ने शाम 6 बजे तक मंजूरी का इंतजार किया। पुलिस से अनुमति नहीं मिलने पर कार्यक्रम की तैयारियां पूरी करना संभव नहीं रहा। पार्टी अब नए शेड्यूल के लिए आवेदन करेगी। दौरा 25 या 26 अप्रैल को कराया जा सकता है।

इधर, गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में तीन रैलियां की। उन्होंने चांदीपुर में कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में बाबरी मस्जिद नहीं बनने देंगे। अयोध्या में जहां बाबरी मस्जिद थी, वहां राम मंदिर बन चुका है। बंगाल में ऐसी कोई कोशिश सफल नहीं होगी। इसके अलावा शाह ने आसनसोल में कहा कि ममता के गुंडो कान खोलकर सुन लें। 23 तारीख को मतदान में जरा भी खलल डाला तो 4 मई के बाद उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम करेंगे। ममता के गुंडों की बंगाल के जनता के सामने कोई मजाल नहीं है।

म.प्र. में टैंकर ने कार को रौंदा, 6 की मौत दूल्हे के भाई की भी गई जान

एक घंटे फंसे रहे युवकों के शव; बारात से लौटते समय हादसा

बड़वानी, एजेंसी। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में मंगलवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जुलवानिया टोल प्लाजा के पास तेज रफ्तार टैंकर ने बारातियों से भरी कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में दूल्हे के भाई समेत 6 युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। सभी युवक बारात में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में एक वाहन का डीजल खत्म होने पर ये युवक दूसरी कार से डीजल लेने जुलवानिया की ओर गए थे। वापसी के दौरान खरगोन की ओर से आ रहे अनियंत्रित टैंकर ने उनकी टीयूवी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टैंकर चालक हादसे के बाद वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर जब्त कर लिया है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

कार के अंदर ही फंस गए युवक

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और सभी युवक अंदर ही फंस गए। सूचना मिलते ही जुलवानिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कार में फंसे युवकों को बाहर निकालने में करीब एक घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। शुरुआती जानकारी में 3 युवकों की मौके पर मौत हुई थी, जबकि बाद में 3 ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

एंबुलेंस में खराबी, परिजन घायलों को ले गए: घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया।

ईरान पर ट्रम्प का एकतरफा सीजफायर

कहा- पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर और पीएम शहबाज की अपील पर फैसला; लेकिन नाकेबंदी जारी रहेगी

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान की अपील पर ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ा रहा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि यह कितने दिन के लिए बढ़ाया गया है।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान में इस समय नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने उनसे ईरान पर कुछ समय तक हमले रोकने की अपील की, ताकि ईरान को साझा प्रस्ताव तैयार करने का वक्त मिल सके।

ट्रम्प ने कहा कि इस अपील को मानते हुए उन्होंने अमेरिकी सेना को फिलहाल हमला रोकने का आदेश दिया है। हालांकि, सेना को पूरी तरह तैयार रहने को भी कहा गया है। इस दौरान ईरान पर दबाव बनाए रखने के लिए नाकेबंदी (ब्लॉकेड) जारी रहेगी।

उन्होंने साफ किया कि सीजफायर तब तक जारी रहेगा जब तक ईरान अपनी ओर से ठोस और एकजुट प्रस्ताव नहीं दे देता और बातचीत पूरी नहीं हो जाती, चाहे उसका नतीजा कुछ भी निकले।

तमिलनाडु में टीवीके के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत, आचार संहिता उल्लंघन के लगे आरोप

चैन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में चुनावी आचार संहिता के कथित उल्लंघन को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। एक शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राजनीतिक दल टीवीके द्वारा मतदान से पहले लागू 48 घंटे की 'साइलेंस पीरियड' का उल्लंघन करने की तैयारी की जा रही है। शिकायतकर्ताओं एल. देवसगायम और पी. अडिकेसवन ने तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इस संबंध में औपचारिक शिकायत सौंपी है। इसमें दावा किया गया है कि 22 अप्रैल को बड़े स्तर पर एक ऑनलाइन राजनीतिक अभियान चलाने की योजना बनाई गई है, जो चुनावी नियमों के खिलाफ माना जा रहा है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि यह गतिविधि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 128 का उल्लंघन हो सकती है, जिसके तहत तीन महीने तक की सजा का प्रावधान है। शिकायतकर्ताओं ने चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए संबंधित ऑनलाइन सामग्री को हटाने, अभियान को रोकने और जिम्मेदार लोगों पर कानूनी कार्रवाई की अपील की है।

केदारनाथ धाम के खुले कपाट, हर-हर महादेव से गूंजा बाबा का धाम

सीएम धामी ने की पीएम के नाम की पहली पूजा

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। चारधाम यात्रा के चौथे दिन बुधवार सुबह 8 बजे केदारनाथ धाम के कपाट विधिवत खोल दिए गए हैं। परंपरा के अनुसार सबसे पहले मंदिर के पूर्व द्वार को खोला गया और मुख्य पुजारी, रावल व हक-हकूकधारियों ने अंदर प्रवेश कर पूजा-अर्चना शुरू की। इस दौरान पिछले साल कपाट बंद करते समय ज्योतिर्लिंग पर लगाई गई भस्म को हटाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में बांटा गया।

कपाट खुलने के मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धाम में पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम की पहली पूजा कराई। वैदिक विधि-विधान के साथ पूजा प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंदिर के मुख्य द्वार अब आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए और दर्शन शुरू हो गए हैं।

इस बार यात्रा में नियमों को लेकर ज्यादा सख्ती देखने को मिल रही है। मंदिर समिति ने साफ किया है कि मंदिर परिसर से 50 से 60 मीटर के एरिया में किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन ले जाने की परमिशन नहीं है। इसके अलावा फोटोग्राफी के लिए धाम में अलग से तय स्थान बनाए गए हैं, मोबाइल वहीं इस्तेमाल किया जा सकेगा। मुख्य मंदिर परिसर में रील बनाना, फोटो खींचना और वीडियो बनाना पूरी तरह बैन है।

पीएम ने इस साल की चारधाम यात्रा के शुभारंभ पर सभी भक्तों के लिए एक पत्र भी लिखा है। उन्होंने बाबा केदार से प्रार्थना करते हुए कहा कि भगवान केदारनाथ का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और सभी की यात्रा मंगलमय हो। उन्होंने अपने पत्र में केदारनाथ और बद्रीनाथ में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विकसित की गई नई सुविधाओं (जैसे बैठने की क्षमता, बेहतर सड़कें और चिकित्सा सुविधाएं) को भी बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये धाम केवल तीर्थ स्थल नहीं हैं, बल्कि ये हमारी प्राचीन संस्कृति और विरासत के केंद्र हैं। उन्होंने केदारपुरी के नवनिर्माण में लगे सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि इस बार की यात्रा श्रद्धालुओं के लिए पहले से अधिक सुगम और यादगार होगी।

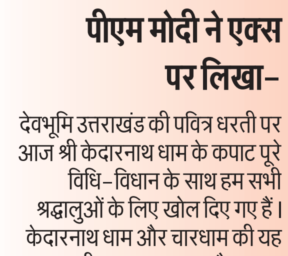

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा-

देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र धरती पर आज श्री केदारनाथ धाम के कपाट पूरे विधि-विधान के साथ हम सभी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। केदारनाथ धाम और चारधाम की यह यात्रा हमारी आस्था, एकता और समृद्ध परंपराओं का दिव्य उत्सव है। इन यात्राओं से हमें भारत की सनातन संस्कृति के दर्शन भी होते हैं।

फ्लैट में पुलिस की छापामार कार्रवाई से मची भगदड़, गाजियाबाद में देह व्यापार का भंडाफोड़

साहिबाबाद, एजेंसी। टीला मोड़ थाना पुलिस ने तुलसी निकेतन स्थित एक फ्लैट में संचालित देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने महिला संचालिका समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 21 अप्रैल की रात छापेमारी कर चार युवतियों को रेस्क्यू किया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रात मुखबिर ने तुलसी निकेतन कालोनी में प्रथम तल स्थित एक फ्लैट में देह व्यापार संचालित होने की सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान एक महिला और व्यक्ति आपत्ति जनक स्थिति में मिले। फ्लैट में चार अन्य युवतियां भी थीं। जिन्हें रुपयों का लालच देकर बुलाया गया था। पुलिस ने देह व्यापार को संचालित करने वाली एक महिला, व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर संबंधित कार्रवाई की जा रही है। युवतियों को उनके स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

सिर पर चोट या हार्ट अटैक... 30 वर्षीय एक्ट्रेस दिव्यांका सिरोही की कैसे हुई मौत

गाजियाबाद, एजेंसी। राजनगर एक्सटेंशन की सोसायटी में रहने वाली हरियाणवी अदाकारा दिव्यांका सिरोही का 30 वर्ष की उम्र में मंगलवार देर रात को निधन हो गया। वह घर पर अचानक चक्कर आने के बाद गिर गईं। जिससे उन्हें चोट भी लग गई। बताया जा रहा है कि दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हुई है। हालांकि मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। बुधवार को परिवार ने उनका अंतिम संस्कार कर दिया है। मूल रूप से बुलंदशहर निवासी दिव्यांका सिरोही ने मेरठ स्थित चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से बीसीए की पढ़ाई की थी। सिक्किम से एमबीए की डिग्री हासिल की। वर्तमान में वह गाजियाबाद की सोसायटी में रहती थी। उन्होंने सुनंदा शर्मा के मशहूर गाने मेरी मम्मी नू पसंद नी तू पर एक वीडियो बनाया था जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

50 से ज्यादा हरियाणवी गानों में किया काम : इस वीडियो को दो करोड़ व्यूज मिले थे। इसके बाद उन्हें हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री में काम करने का मौका मिला। दिव्यांका 50 से ज्यादा हरियाणवी गानों में काम किया। उन्होंने मासूम शर्मा के साथ कई गानों में काम किया। मंगलवार देर रात उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह चक्कर खाकर फर्श पर गिर गईं। जिसमें उनके सिर पर गहरी चोट लगी। स्वजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पुलिस का कहना है कि दिव्यांका की मौत के बारे में कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। इस संबंध में कोई शिकायत भी नहीं दी गई है।

देशभर में हैं लाखों प्रशंसक: दिव्यांका ने सिरसा के जेसीडी में लाइव शो में सिंगर मासूम शर्मा के साथ मंच साझा किया था। यहां उन्हें उन्हें नई पहचान मिली थी। जिसके बाद उनकी लोकप्रियता बढ़ती चली गई। अभिनय में कदम रखने से पहले वह नौकरी करती थीं। उन्होंने अभी शादी नहीं की थी। उनके निधन पर हरियाणवी कलाकारों में शोक की लहर है। हरियाणवी कलाकार मंजीत ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। देशभर में उनके प्रशंसक थे। इंस्टाग्राम पर 13 लाख लोग उन्हें फॉलो करते हैं।

11 साल बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर लुटेरा, बोलेरो लूट की वारदात को दिया था अंजाम

दौसा, एजेंसी। कोतवाली पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पिछले 11 वर्षों से फरार चल रहे शातिर अपराधी वहीद खान को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने साल 2015 में अपने साथियों के साथ मिलकर एक बोलेरो गाड़ी और कीमती सामान लूटने की वारदात को अंजाम दिया था और तब से ही पुलिस को चकमा दे रहा था। वारदात की कहानी : मानवता का फायदा उठाकर की थी लूट कोतवाली प्रभारी भगवान सहाय शर्मा ने बताया कि यह मामला 12 अप्रैल 2015 का है। पीड़ित शिवराम ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी किः

दौसा बस स्टैंड पर आरोपियों ने 'मरीज के साथ होने' का हवाला देकर मानवता के आधार पर बोलेरो गाड़ी रुकवाई।

रामगढ़ पहुंचने पर आरोपियों ने गाड़ी आगे ले जाने का दबाव बनाया :। रास्ते में एक स्कॉर्पियो गाड़ी आई, जिसमें से 4-5 लोग उतरे। बदमाशों ने चालक फैलीराम और राधेश्याम पर कट्टा तान दिया, उनके हाथ-पांव बांधे और जंगल में फेंककर बोलेरो लेकर फरार हो गए। लुटेरों ने चांदी की चेन, 3,500 रुपये और तीन मोबाइल भी छीन लिए। जाते-जाते आरोपियों ने सिम निकालकर चालक की जेब में 200 रुपये 'खर्चा' भी डाल दिया था।

पहचान छिपाकर काट रहा था फरारी : घटना के बाद से ही वहीद खान लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। वह मुख्य रूप से ड्राइवरी का काम करने लगा और यूपी, दिल्ली, हरियाणा और हैदराबाद जैसे राज्यों में ट्रक के जरिए पाउडर और मार्बल सप्लाई करने लगा, ताकि पुलिस की नजरों से बचा रहे।

पकड़ा गया 'मैकेनिक' बना लुटेरा : पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि आरोपी वहीद खान (पुत्र आसमोहम्मद उर्फ आसु) अब सीकरी गांव में अपनी पहचान छिपाकर मोटर साइकिल सुधारने (मैकेनिक) का काम करने लगा है। इस सटीक सूचना पर पुलिस ने जाल बिछाया और 11 साल से फरार चल रहे इस इनामी अपराधी (निवासी तेसकी, थाना सीकरी, जिला डीग) को दबोच लिया।

दिल्ली में डायबिटीज के मरीजों और अस्पतालों को चेतावनी, नकली 'माउनजारो' इंजेक्शन के खतरे पर एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में नकली 'माउनजारो' इंजेक्शन के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में भी हड़कंप मच गया है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि इन इंजेक्शनों की सप्लाई दिल्ली के थोक दवा बाजार से जुड़ी हो सकती है। इसे लेकर दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। विभाग ने मरीजों और अस्पतालों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए ड्रग निरीक्षकों को थोक बाजारों और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। नकली इंजेक्शनों के दिल्ली कनेक्शन की पड़ताल के लिए विभाग ने संदिग्ध आपूर्तिकर्ताओं की पहचान व खोज अभियान शुरू कर दिया है। साथ ही थोक विक्रेताओं को अपने स्टॉक का मिलान अधिकृत कंपनी के बिल (जीएसटी बिल) से करने को कहा गया है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी तुरंत पकड़ में आ सके।

लोगों की जान से जुड़ा है मामला, सिर्फ धोखाधड़ी नहीं: विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह मामला केवल आर्थिक धोखाधड़ी नहीं, बल्कि लोगों की जान से जुड़ा गंभीर खतरा है। माउनजारो जैसे इंजेक्शन को दो से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच सुरक्षित रखना अनिवार्य होता है, जबकि नकली नेटवर्क में इसे सामान्य तापमान पर रखा जा रहा था। इससे दवा की गुणवत्ता प्रभावित होकर यह जहरीली भी हो सकती है। बिना वैध लाइसेंस या संदिग्ध दस्तावेजों के ऐसे इंजेक्शन बेचने वालों के खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी और लाइसेंस रद्द किया जा सकता है।

किस काम में आता है माउनजोरो इंजेक्शनः माउनजारो (टिरज़ेपेटाइड) का उपयोग मुख्य रूप से टाइप-टू डायबिटीज के मरीजों में रक्त शर्करा नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। यह इंसुलिन के प्रभाव को बेहतर बनाता है और भूख कम कर वजन घटाने में भी सहायक होता है। हाल में इसका उपयोग मोटापा प्रबंधन में भी चिकित्सकीय निगरानी में किया जा रहा है।

इन बातों का मरीज रखें ख्यालः भारी छूट सबसे बड़ा संकेतः माउनजारो पर सामान्यतः 10 प्रतिशत तक ही छूट मिलती है। 25-30 प्रतिशत छूट का प्रस्ताव मिलने पर सतर्क हो जाएं।

पैकेजिंग की जांच करेंः

पैकेट पर छपाई, फांट और स्पेलिंग में गड़बड़ी नकली का संकेत हो सकती है। बैच नंबर और एक्सपायरी बॉक्स व पेन (इंजेक्शन) पर एक समान होने चाहिए।

इंजेक्शन पेन की गुणवत्ताः असली पेन स्मूथ होता है और उसका लाक सिस्टम सही ढंग से काम करता है। नकली में लीकेज या खराब प्लास्टिक की समस्या हो सकती है।

कहां से खरीदेंः

ऑनलाइन या अनजान विक्रेता से खरीदने से बचें। केवल अधिकृत भंडारक या अस्पताल की फार्मेसी से ही दवा लें। बिना पक्के जीएसटी बिल के दवा न खरीदें। बिल पर औषधि लाइसेंस नंबर जरूर जांचें। क्यूआर कोड या बारकोड स्कैन कर सत्यापन करें। इंजेक्शन इस्तेमाल से पहले डाक्टर को जरूर दिखाएं।

'कमांड सेंटर' के जरिये प्रदूषण पर कसी जाएगी नकेल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के शास्त्री पार्क स्थित आईटी पार्क में एक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आइसीसीसी) स्थापित किया जा रहा है। यह सेंटर शहर में वायु प्रदूषण के स्तर की ''रियल-टाइम'' निगरानी करेगा। पर्यावरण विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य प्रदूषण की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करना है। इस सेंटर की मदद से अधिकारी न केवल हवा की गुणवत्ता पर नजर रख सकेंगे, बल्कि यमुना के पानी की स्थिति की भी निगरानी की जाएगी। केंद्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण किया जाएगा, जिससे प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करना और उन्हें रोकना आसान होगा। अभी तक सरकार केवल सर्दियों के लिए अस्थाई तौर पर दिल्ली सचिवालय में ''ग्रीन वार रूम'' बनाती रही है, लेकिन यह सेंटर एक स्थाई ढांचा होगा। अधिकारियों के अनुसार यह सेंटर 300 करोड़ के व्यापक प्रदूषण नियंत्रण बजट का हिस्सा है। इसके जरिए न केवल हवा बल्कि यमुना के पानी और सड़कों पर तैनात मशीनीकृत सफाई वाहनों की भी निगरानी होगी, जिससे जवाबदेही तय की जा सकेगी।

कैसे काम करेगा यह सिस्टमः यह कमांड सेंटर विभिन्न स्रोतों से डेटा को एक ही छत के नीचे लाएगा।

शिकायतें : ग्रीन दिल्ली ऐप, समीर ऐप और एमसीडी के 311 ऐप से आने वाली शिकायतों का एक ही जगह पंजीकरण होगा।

डेटा एकीकरण : डस्ट पोर्टल, उद्योगों की चिमनियों से निकलने वाले धुएं की निगरानी प्रणाली और दिल्ली के 46 एयर क्वालिटी स्टेशनों का डेटा भी यहीं एकीकृत होगा।

जमीनी स्तर पर कार्रवाई : शिकायतों के मिलते ही निकटतम टीम या ''वायु रक्षक'' को तुरंत मौके पर भेजा जाएगा ताकि समस्या का समाधान जल्द से जल्द हो सके।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य इस सेंटर को आगामी सर्दियों से पहले पूरी तरह सक्रिय करना है। इस हाई-टेक पहल से उम्मीद है कि राजधानी में धूल, औद्योगिक धुएं और अन्य प्रदूषण कारकों पर भी बेहतर तरीके से लगाम लगाई जा सकेगी।

गुरुग्राम में वाहन की टक्कर से नाले में गिरा 12वीं का छात्र, मौत

सोहना, एजेंसी। रायसीना गांव के समीप हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 12वीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से छात्र सड़क किनारे बने नाले में जा गिरा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, टक्कर मारने वाले वाहन चालक की तलाश जारी है।मृतक की पहचान रायसीना निवासी विनीत के रूप में हुई है। विनीत अपने परिवार का इकलौता बेटा था और उसकी दो बहनें हैं। बताया जा रहा है कि उसने हाल ही में 12वीं कक्षा में प्रवेश लिया था और पढ़ाई में भी अच्छा छात्र था। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, विनीत मोटरसाइकिल से सोहना ढाणी की ओर कुछ सामान लेने जा रहा था। गांव से कुछ दूरी पर पहुंचते ही एक अज्ञात वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क किनारे बने नाले में जा गिरा। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

ईरान से तनाव के बीच अमेरिकी नौसेना सचिव जॉन फेलन ने अचानक छोड़ा पद

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच पेंटागन ने बुधवार को अचानक घोषणा की कि नौसेना सचिव जॉन फेलन अपना पद छोड़ रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में किसी सैन्य सेवा के प्रमुख का यह पहला इस्तीफा है। हालांकि, रक्षा विभाग में पिछले कुछ समय से कई बड़े अधिकारियों को हटाया जा रहा है। फेलन के अचानक हटने का कोई कारण नहीं बताया गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी कर रखी है और दुनिया भर में तेहरान से जुड़े जहाजों को निशाना बना रही है। अब ट्रंप के करीबी और अंडरसेक्रेटरी हंग काओ नौसेना के कार्यवाहक सचिव की जिम्मेदारी संभालेंगे। काओ नौसेना में 25 साल तक रहे हैं और उनके पास युद्ध का अनुभव भी हैं। फेलन का पद से हटना पेंटागन के शीर्ष नेतृत्व में फेरबदल की एक लंबी कड़ी का हिस्सा हो सकता है। कुछ हफ्ते पहले ही रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना के शीर्ष अधिकारी जनरल रैंडी जॉर्ज को पद से हटा दिया था। हेगसेथ ने पिछले साल पद संभालने के बाद से कई जनरलों और एडमिरलों को हटाया है। इनमें एडमिरल लीसा फ्रेंचेती और जनरल जिम स्लाइफ भी शामिल हैं। ट्रंप ने जनरल चार्ल्स सीक्यू ब्राउन जूनियर को भी उनके पद से हटा दिया है। फेलन का इस्तीफा बहुत चौंकाने वाला है। उन्होंने मंगलवार को ही वाशिंगटन में नौसेना के एक सम्मेलन में हिस्सा लिया था। वहां उन्होंने पत्रकारों से अपने एजेंडे पर बात की थी। उन्होंने सांसदों के साथ बजट और नए जहाज बनाने की कोशिशों पर भी चर्चा की थी। हालांकि, पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि फेलन तुरंत अपना पद छोड़ रहे हैं। बता दें कि फेलन ने पहले कभी सेना में काम नहीं किया था। उन्हें नौसेना में बड़े बदलाव करने के लिए लाया गया था। वे एक निजी निवेश कंपनी के संस्थापक भी रहे हैं। फेलन ऐसे समय में जा रहे हैं जब नौसेना बहुत व्यस्त है। उसके तीन विमानवाहक पोत मध्य पूर्व में तैनात हैं। साथ ही नौसेना कैरिबियन में ड्रग्स के खिलाफ अभियान चला रही है। जनवरी में वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने में भी नौसेना की अहम भूमिका थी। नए कार्यवाहक सचिव हंग काओ वियतनाम से आए शरणार्थी हैं।

लश्कर-जैश पर नकेल कसे पाकिस्तान

पहलगाम हमले की बरसी पर अमेरिकी सांसदों ने एकसुर में उठाई मांग

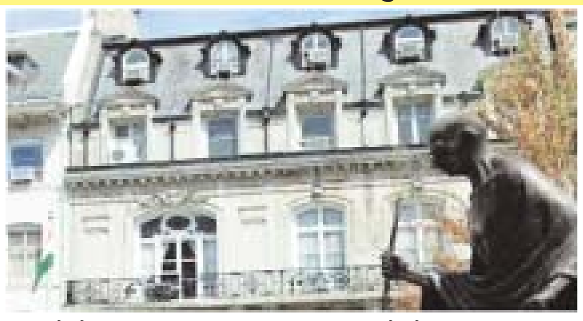

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसद ब्रैड शर्मन ने पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने आतंकवाद की मानवीय कीमत विषय पर एक प्रदर्शनी लगाई थी। इस दौरान शर्मन ने 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को याद किया। इस हमले में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे। शर्मन ने कहा कि पहलगाम हमले के पीछे द रेजिस्टेंस फ्रंट का हाथ था, जिसका संबंध लश्कर-ए-तैयबा से है। खबरों के मुताबिक, इन समूहों को पाकिस्तान में पनाह मिलती है। डेमोक्रेट नेता शर्मन ने मांग की कि पाकिस्तानी सरकार को इन आतंकी गुटों पर नकेल कसने की मांग की। यह प्रदर्शनी ऐसे समय में हुई जब पाकिस्तान खुद को शांतिदूत के रूप में पेश कर रहा है और अमेरिका-ईरान युद्ध को रोकने के लिए मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है।

डिजिटल प्रदर्शनी में क्याः इस डिजिटल प्रदर्शनी में 1993 के मुंबई बम धमाकों, 2008 के मुंबई हमलों और पहलगाम हमले की तस्वीरें दिखाई गईं। इसमें उन आतंकी संगठनों और लोगों की पहचान भी उजागर की गई जो पाकिस्तान से अपनी गतिविधियां चलाते हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि आतंकवाद मानवता को नष्ट करना चाहता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प को दोहराया जिसमें भारत आतंकवाद को हराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रदर्शनी में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों पार्टियों के कई बड़े सांसद शामिल हुए। इस दौरान सांसद लिसा मैक्लेन ने कहा कि आतंकवाद से लड़ने के लिए खुफिया जानकारी साझा करना और मिलकर काम करना ही सही रास्ता है। वहीं, सांसद रो खन्ना ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि वाजपेयी ने 1990 के दशक में ही इस खतरे की चेतावनी दी थी।

रोम में भारतीय दूतावास ने लगे आरोपों को बताया झूठा और मनगढ़ंत, क्या है वायरल वीडियो की सच्चाई

रोम, एजेंसी। इटली की राजधानी रोम में स्थित भारतीय दूतावास ने एक भारतीय नागरिक द्वारा सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। दूतावास ने बुधवार को एक सख्त स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि वायरल वीडियो में किए गए सभी दावे पूरी तरह से झूठे और मनगढ़ंत हैं। दूतावास की ओर से यह प्रतिक्रिया तब आई जब उस व्यक्ति ने राजनयिक मिशन पर मदद न देने और दुर्व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगाए, जिससे डिजिटल दुनिया में काफी हलचल मच गई थी। रोम स्थित भारतीय दूतावास ने इस पूरे विवाद की असलियत बताते हुए कहा कि वह व्यक्ति मदद मांगने के बहाने दूतावास के परिसर में आया था। लेकिन जब सुरक्षाकर्मियों ने उससे मानक सुरक्षा नियमों के तहत उसकी पहचान पूछी, तो उसने सहयोग करने से साफ इनकार कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दूतावास ने जानकारी दी कि वे उस व्यक्ति से मिलने के लिए पूरी तरह तैयार थे, लेकिन उसने अपनी पहचान या पासपोर्ट दिखाने से मना कर दिया। किसी भी देश के दूतावास में प्रवेश के लिए कुछ बुनियादी सुरक्षा प्रोटोकॉल होते हैं, जिनका पालन करना अनिवार्य है, लेकिन इस व्यक्ति ने जानबूझकर नियमों को तोड़ा।

व्यक्ति ने दूतावास पर क्या आरोप लगाए थेः सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में भारतीय मूल के व्यक्ति ने आरोप लगाया था कि रोम में दूतावास के कर्मचारियों ने उसके साथ धक्का-मुक्की की और उसे शारीरिक रूप से परेशान किया। उसने वीडियो में ऐसा माहौल दिखाने की कोशिश की जैसे दूतावास के दरवाजे आम नागरिकों के लिए बंद हैं। हालांकि, दूतावास ने स्पष्ट किया कि वीडियो में सच्चाई को छिपाया गया है। सच्चाई यह है कि उस व्यक्ति ने खुद अपनी पहचान बताने से इनकार करके बैठक के रास्ते में बाधा पैदा की और बाद में दूतावास की छवि खराब करने के लिए गलत तथ्यों के साथ वीडियो साझा किया।

सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन क्यों है जरूरीः दूतावास ने अपने बयान में जोर देकर कहा कि सुरक्षा प्रक्रियाएं रूटीन का हिस्सा हैं और विदेशों में किसी भी राजनयिक मिशन की सुरक्षा और कामकाज के लिए बेहद जरूरी हैं। बिना पहचान पत्र देखे किसी भी अनजान व्यक्ति को संवेदनशील क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देना जोखिम भरा हो सकता है। दूतावास ने यह भी साफ किया कि स्टाफ ने किसी भी तरह का दुर्व्यवहार नहीं किया, बल्कि केवल अपने आधिकारिक कर्तव्य का पालन किया। नियमों का पालन न करने के बावजूद मामले को तोड़-मरोड़कर पेश करना दूतावास को बदनाम करने की कोशिश है। क्या भारतीय नागरिकों को मदद मिलनी जारी रहेगी भारतीय दूतावास ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि वे इटली में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों की हर संभव मदद के लिए हमेशा तैयार हैं।

ईरान-अमेरिका युद्धविराम : शांति वार्ता की मेज पर लौट सकते हैं दोनों देश, इस्लामाबाद में सुरक्षा सख्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान को फिर से बातचीत की मेज पर लाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इसका उद्देश्य पश्चिम एशिया में जारी तनाव को रोकना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब युद्धविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया है। ट्रंप ने यह फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के अनुरोध पर लिया है। युद्धविराम के बाद शांति के लिए नया रास्ता खुला है। इसी सिलसिले में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने ईरानी राजदूत रजा अमीरी मोघदाम से मुलाकात की। उन्होंने क्षेत्र की स्थिति और शांति प्रयासों पर लंबी चर्चा की।

राजनयिक मेल-मिलाप का दौरः इससे पहले ईरानी राजदूत ने गृह मंत्री मोहसिन नकवी से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने कूटनीति के जरिए तनाव कम करने पर जोर दिया। इसी बीच, पातिस्तानी उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान से बात की। दोनों नेताओं ने विवादों को बातचीत से सुलझाने का समर्थन किया।

इशाक डार ने ब्रिटिश हाई कमिश्नर जेन मैरियट से भी मुलाकात की। जेन मैरियट ने वार्ता कराने में पाकिस्तान की भूमिका की तारीफ की। उन्होंने पाकिस्तान के शांति प्रयासों का पूरा समर्थन किया।

सुरक्षा के कड़े इंतजामः पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के रेड जोन में सुरक्षा बेहद सख्त कर दी गई है। इस इलाके में सरकारी इमारतें और दफ्तर मौजूद हैं। रेड जोन को आम जनता के लिए बंद कर दिया गया है।

गौण खनिज पट्टों पर 'स्टार रेटिंग' प्रणाली लागू करने बहरी में बैठक आयोजित

मध्यप्रदेश शासन, खनिज साधन विभाग के निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारीविकास मिश्रा के निर्देशन में गौण खनिज उत्खनन पट्टों पर 'स्टार रेटिंग' प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु 23 अप्रैल 2026 को बहरी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिहावलराजेश शुक्ला की अध्यक्षता एवं खनिज अधिकारीकपिल मुनि शुक्ला की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में बहरी उपखंड क्षेत्र के संचालित उत्खनन पट्टाधारक, उनके प्रतिनिधि तथा प्रभारी खनिज निरीक्षकदेवेन्द्र महोबे एवं खनिज निरीक्षकरजत गौतम उपस्थित रहे। बैठक में खनिज अधिकारी द्वारा पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से 'स्टार रेटिंग' प्रणाली एवं खनिज नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि खनन कार्यों का मूल्यांकन चार प्रमुख मानकों के आधार पर किया जाएगा, जिनमें सुनियोजित खनन (25 प्रतिशत), पर्यावरण संरक्षण (30 प्रतिशत), श्रमिकों का स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण (10 प्रतिशत) तथा खनन संचालन एवं खनिज मूल्य संवर्धन (35 प्रतिशत) शामिल हैं। इन मानकों के आधार पर पट्टाधारकों के कार्यों की गुणवत्ता एवं अनुपालन की समीक्षा की जाएगी। अनुविभागीय अधिकारीराजेश शुक्ला ने बैठक में निर्देश दिए कि सभी पट्टाधारक शासन द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवश्यक जानकारी समय-सीमा के भीतर विभागीय पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रस्तुत की गई जानकारी का सत्यापन जिला स्तर पर किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत खदान प्रभावित ग्रामों के विकास में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि खनन से प्रभावित क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में पट्टाधारकों की भूमिका महत्वपूर्ण है, जिसे गंभीरता से निभाया जाना चाहिए। बैठक के अंत में उपस्थित पट्टाधारकों द्वारा शासन के निर्देशों का पालन करते हुए 'स्टार रेटिंग' प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू करने की सहमति व्यक्त की गई तथा इसे पारदर्शी एवं व्यवस्थित खनन की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताया गया।

विद्यालयों में कैंप लगाकर विद्यार्थियों के आधार कार्ड बनवायें : प्रभारी कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नागरिकों को आधार सेवाओं का सुलभ एवं त्वरित लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय आधार मॉनिटरिंग समिति की बैठक प्रभारी कलेक्टर मती सपना त्रिपाठी की अध्यक्षता में बाणसागर सभागार में संपन्न हुई। बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के सभी विद्यालयों में विशेष कैंप आयोजित कर विद्यार्थियों के आधार कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि 15 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों के आधार निर्माण का कार्य बड़ी संख्या में लंबित है, जिसे प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आधार कार्ड शासकीय योजनाओं, छात्रवृत्ति एवं अन्य लाभकारी सेवाओं के लिए अनिवार्य है, इसलिए विद्यालय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर शत-प्रतिशत विद्यार्थियों के आधार कार्ड बनवाने की कार्यवाही की जाए। साथ ही 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों एवं अन्य नागरिकों के आधार पंजीयन को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान आधार में दर्ज निवास पते को बार-बार बदलने की प्रक्रिया में शिथिलता लाने के संबंध में भी परामर्श दिया गया तथा इस विषय पर राज्य स्तर से मार्गदर्शन जारी करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। प्रभारी कलेक्टर ने आधार सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही निर्देशित किया गया कि नगरीय क्षेत्रों में कम से कम एक बैंक शाखा में आधार केंद्र का संचालन अनिवार्य रूप से किया जाए। तहसील स्तर पर 18 वर्ष से अधिक आयु के लंबित नामांकन तथा 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकृत करने के निर्देश भी दिए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग को जिले की सभी आधार मशीनों को तत्काल क्रियाशील कर नियमित सेवाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए, जिससे आधार सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। बैठक में यूआईडीएआई दिल्ली के परियोजना प्रबंधक निकेत दीवान द्वारा आधार प्रणाली से संबंधित तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। जिला ई-प्रबंधक आशीष दुबे ने ऑपरेटरों को सुचारू संचालन हेतु आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन देते हुए नामांकन प्रक्रिया में त्रुटियों को शून्य रखने तथा नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नयन सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्र, डीपीसी राजेश तिवारी, इंडिया पोस्ट के अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पोल्ट्री हैचरी निर्माण देरी पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी :संविदाकारों को नोटिस जारी करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। चितरंगी विकासखंड के ग्राम सकेती में निर्माणाधीन पोल्ट्री हैचरी परियोजना का औचक निरीक्षण किया। लगभग 9 करोड़ रुपए की लागत से सीएसआर मद से बन रही इस परियोजना का उद्देश्य जिले में पोल्ट्री उत्पादन बढ़ाना है मौके पर निर्माण कार्य की धीमी गति देखकर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान, कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री, ईआरईएस से परियोजना की स्वीकृति तिथि और वर्तमान प्रगति की विस्तृत जानकारी मांगी। उन्हें बताया गया कि यह कार्य लगभग दो साल पहले स्वीकृत हुआ था, जबकि अनुबंध के अनुसार इसे 12 महीने के भीतर पूरा किया जाना था इस पर कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि इतनी देरी अस्वीकार्य है। कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में लगे दोनों संविदाकारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। इसके अतिरिक्त अब तक किए गए निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांच के लिए एक समिति गठित कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश भी दिए गए। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि यदि गुणवत्ता में कोई कमी पाई जाती है तो संबंधित एजेंसियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। उन्होंने देरी के लिए अनुबंध के प्रावधानों के अनुसार जुर्माना (पेनल्टी) लगाने के निर्देश भी दिए। इस परियोजना के पूरा होने पर स्व-सहायता समूहों और स्थानीय पोल्ट्री फार्मों को सस्ते दरों पर चूजे उपलब्ध हो सकेंगे। इससे जिले में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पोल्ट्री उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

जल संरक्षण के संकल्प के साथ मझौली में जल चौपाल संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत विकासखंड मझौली के ग्राम चमराडोल में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम (द्वितीय चरण) के अंतर्गत जल चौपाल का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक एवं जिला समन्वयकमुकेश कुमार गौर की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक ने जल संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना असंभव है, इसलिए आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे जल बचाने के लिए सामूहिक एवं सतत प्रयास करें और इसे एक जन आंदोलन का स्वरूप दें। जल चौपाल के दौरान ग्रामीणों एवं प्रतिभागियों ने जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। इसके पश्चात सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर ग्राम के तालाब में श्रमदान किया और जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। इस पहल से ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता और अधिक बढ़ी।

खाखंन-नदी के पास दो वाहन पलटे, जाम में फंसे हजारों वाहन

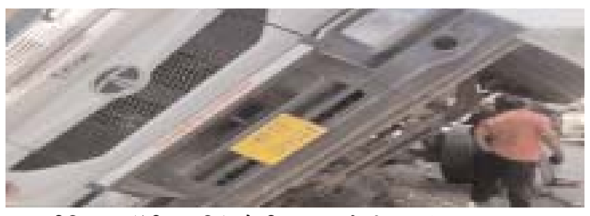

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। गुजरनेवा ले राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर खाखंन नदी के पास बुधवार रात हुए सड़क हादसे के बाद लंबा जाम लग गया है। एक भारी वाहन के पीछे लुढ़कने से दो गाड़ियों की टक्कर हुई जिससे दोनों वाहन पलट गए हादसे में सभी चालक सुरक्षित बताए जा रहे हैं लेकिन सड़क पूरी तरह बाधित हो गई है। हादसे के बाद से देवसर से बरगवां मार्ग और सीधी से सिंगरौली मार्ग तक करीब 10 किलोमीटर लंबा जाम लग गया है इसमें हजारों वाहन फंसे हुए हैं मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की टीम लगातार जाम खुलवाने में जुटी है। बरगवां थाना प्रभारी मोहम्मद समीर ने बताया कि सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों के कारण क्रेन को घटनास्थल तक पहुंचने में दिक्कत आ रही है। उन्होंने कहा कि गाड़ियों को धीरे-धीरे किनारे किया जा रहा है ताकि पलटे वाहनों को हटाने के लिए क्रेन पहुंच सके।

निगम बैठक में कांग्रेस-भाजपा पार्षदों में नोकझोंक

स्वच्छता, पेयजल और सफाईकर्मी भर्ती पर तीखी बहस

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम परिषद की बैठक में स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति और नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान कांग्रेस और भाजपा पार्षदों के बीच कई विषयों पर तीखी बहस और नोंकझोंक देखने को मिली, जिससे सभागार का माहौल गरमा गया।

बैठक में भाजपा पार्षद भारतेंदु पांडे ने केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। इस पर कांग्रेस पार्षद अनिल शाह ने पलटवार करते हुए कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में कांग्रेस ने ही सबसे पहले ठोस कदम उठाए थे। उन्होंने देश में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जैसे उच्च पदों पर महिलाओं को आगे बढ़ाने का श्रेय कांग्रेस को दिया इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बहस जारी रही। स्वच्छता व्यवस्था को लेकर पार्षदों ने नगर निगम प्रशासन पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि 250 सफाई कर्मियों की प्रस्तावित भर्ती अब तक पूरी नहीं हो पाई है जिसके कारण कई वार्डों में नियमित और प्रभावी सफाई नहीं हो रही है। पार्षदों ने इस समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए पेयजल संकट पर भी गंभीर चर्चा हुई पार्षदों ने सुझाव दिया कि पानी की आपूर्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाए ताकि आने वाले दिनों में नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक के दौरान पार्षद रामगोपाल पाल ने सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह के परिषद में बैठने और बोलने पर आपत्ति जताई।

पुस्तकालय दिवस पर कुसमी विकासखंड के विद्यालयों में विविध कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर कुसमी विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में पुस्तकालय दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में पुस्तकालय के महत्व को समझाने, अध्ययन की आदत विकसित करने तथा ज्ञानार्जन के प्रति जागरूक करने हेतु विविध शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में शिक्षकों एवं वक्ताओं ने पुस्तकालय को 'ज्ञान का भंडार' बताते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं मानसिक विकास के लिए शांत, सुरक्षित और अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। यहां उपलब्ध विभिन्न विषयों की पुस्तकें, पत्रिकाएं एवं समाचार पत्र विद्यार्थियों में पठन-पाठन की रुचि विकसित करते हैं तथा उन्हें एकाग्रता के साथ अध्ययन करने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर अंगिरा प्रसाद द्विवेदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुस्तकें केवल कागज के पन्ने नहीं होतीं, बल्कि वे अनुभव, कल्पना और ज्ञान का अनमोल संगम होती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित पठन की आदत विकसित करने और पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को यह संदेश भी दिया गया कि 'ज्ञान ही जीवन का आधार है तथा 'किताबें हमारी सच्ची साथी हैं, जो हमें बिना कहीं जाए नई दुनिया की सैर कराती हैं।' इसके साथ ही सभी विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे नियमित रूप से पुस्तकें पढ़ेंगे और ज्ञान को अपने व्यवहारिक जीवन में अपनाएंगे। इस अवसर पर सांदीपनि विद्यालय कुसमी, पीएम टमसार, हायर सेकेंड्री भदौरा, हायर सेकेंड्री पोड़ी बस्तुआ सहित विकासखंड के अन्य विद्यालयों में भी पुस्तकालय दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया।

प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, रीवा में युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। संस्था के प्राचार्य सौरभ शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 24 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से हीरो मोटोकॉर्प प्राइवेट लिमिटेड, हरिद्वार (उत्तराखंड) द्वारा एक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट ड्राइव में आईटीआई के समस्त इंजीनियरिंग एवं नॉन-इंजीनियरिंग ट्रेड से उत्तीर्ण महिला एवं पुरुष अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों की आयु सीमा 18 से 26 वर्ष निर्धारित की गई है।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना अंतर्गत शिविर आयोजित, 100 प्रतिभागियों ने लिया लाभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन सीधी एवं मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला सीधी के संयुक्त तत्वावधान में तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में विकासखंड कुसमी अंतर्गत ग्राम पंचायत जूरी में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के महिला एवं पुरुषों को योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को योजना के उद्देश्य, लाभ, पात्रता एवं पंजीयन प्रक्रिया के बारे में सरल एवं सहज भाषा में विस्तारपूर्वक समझाया गया, जिससे लाभार्थियों को योजना से जुड़ने में सुविधा हो सके। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को आवश्यक दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण एवं श्रम कार्ड से संबंधित जानकारी भी दी गई। शिविर में विशेष रूप से यह बताया गया कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए यह योजना सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शिविर में कुल 100 प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जिनमें से 25 प्रतिभागियों का प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में सफलतापूर्वक पंजीयन किया गया। इसके साथ ही 32 महिलाओं के श्रम कार्ड बनाए गए तथा 12 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए, जिससे उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल सकेगा। यह सुविधा विशेष रूप से उन लाभार्थियों को प्रदान की गई जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये से कम है। शिविर में स्व-सहायता समूह की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली। महिलाओं ने योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर इसे अपने परिवार और समुदाय के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के सफल संचालन में जिला स्तर से जिला प्रबंधक अजय सिंह, विकासखंड प्रबंधक सुरजीत सिंह तोमर, सुशील त्रिपाठी एवं रामलाल साकेत का विशेष योगदान रहा। इसके अतिरिक्त बैंक सखी, कृषि सखी एवं आजीविका मिशन से जुड़े अन्य कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सीएससी सेंटर के माध्यम से दीपक मिश्रा एवं अतुल तिवारी द्वारा प्रतिभागियों का ऑनलाइन पंजीयन कर उन्हें तत्काल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए गए जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और त्वरित रही। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने योजना का लाभ प्राप्त कर सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया इस अवसर पर प्रशासन द्वारा भविष्य में भी ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही गई।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में तहसील न्यायालय चुरहट में प्रधान जिला न्यायाधीश की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में आगामी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 09 मई 2026 को जिला न्यायालय सीधी सहित सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जाएगा। उक्त नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन, प्रकरणों के चिन्हांकन एवं आवश्यक तैयारियों के संबंध में आज दिनांक 23 अप्रैल 2026 को तहसील न्यायालय चुरहट में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में न्यायिक अधिकारीगण, विभिन्न विभागों के पीठासीन अधिकारी, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी तथा अधिवक्तागण उपस्थित रहे। बैठक में आपसी समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक प्रकरणों को चिन्हित करने, पक्षकारों को लोक अदालत के लाभों से अवगत कराने तथा त्वरित, सुलभ एवं किफायती न्याय उपलब्ध कराने के विषय में विस्तृत चर्चा की गई। प्रधान न्यायाधीश ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं को निर्देशित किया कि लोक अदालत को अधिक से अधिक जनहितकारी बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई जाए, जिससे लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण संभव हो सके और आमजन को न्यायालयीन प्रक्रियाओं में राहत प्राप्त हो। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राहुल त्रिपाठी, सु वर्षा भलावी, सु विजया विश्वकर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक सहित अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संतोष पाण्डेय, तहसीलदार चुरहट मती सा गौतम, सचिव अधिवक्ता संघ हेमराज पटेल तथा अधिवक्तागण शिवाकांत सिंह पटेल एवं अन्य न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

होर्मुज आपदा में भारत के लिए अवसर

संपादकीय

अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम का विस्तार इस ओर संकेत करता हैं कि होर्मुज जलमार्ग का खुलना संभव है। वैसे यदि ऐसा हो जाता है तो भी पूर्ववर्ती व्यवस्था की वापसी संभव नहीं लगती। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले खाड़ी क्षेत्र की सामुद्रिक परिवहन व्यवस्था एक नाजुक धारणा पर टिकी थी।

करीब 130 जहाज रोजाना इस 33 किमी चौड़े संकरे जल मार्ग से बिना किसी बाधा के गुजरते थे, पर अब यह धारणा ध्वस्त हो चुकी है। आर्थिक दृष्टि से इसका अर्थ है कि होर्मुज के पुनः खुलने के बाद भी बीमा लागत ऊंची रह सकती है। शिपिंग कंपनियां इस मार्ग पर निर्भरता घटाने के लिए अपने मार्गों का पुनर्निर्धारण करने में लगी हैं।

खाड़ी सहयोग परिषद यानी जीसीसी देश भी समानांतर रूप से खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा के अपने ढांचे की समीक्षा कर रहे हैं। यह केवल भू-राजनीतिक व्यवधान नहीं है। यह वैश्विक व्यापार संरचना का पुनर्संयोजन भी है। इसमें उन मार्गों, वित्तीय तंत्रों और संस्थागत व्यवस्थाओं का पुनर्गठन हो रहा है, जो तय करते हैं कि सीमा पार वस्तुओं का व्यापार कैसे संचालित होता है।

इस उभरते परिदृश्य में भारत विशिष्ट रूप से सशक्त स्थिति में है। दशकों से भारत को मुख्यतः एक ऊर्जा-निर्भर अर्थव्यवस्था के रूप में देखा गया है, जो एक बड़ी हद तक खाड़ी क्षेत्र के तेल एवं गैस पर निर्भर है।

होर्मुज संकट ने इस सच को भी उजागर किया है कि भारत केवल खरीदार नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता भी है, विशेष रूप से खाद्य और आवश्यक वस्तुओं के मोर्चे पर। यह शक्ति संतुलन को सूक्ष्म, पर महत्वपूर्ण रूप से बदलने वाला पहलू है।

भारत की शक्ति इस बिंदु में निहित है कि वह एक साथ कई संबंधों को संभालने में सक्षम है। उसके ईरान के साथ रणनीतिक संबंध हैं तो संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ भी वह अपने संबंधों को प्रगाढ़ कर रहा है। सऊदी अरब, कुवैत और कतर के साथ उसके ऊर्जा संबंध इस क्षेत्र में उसकी केंद्रीय भूमिका को और सुदृढ़ करते हैं। केवल यूएई में ही 43 लाख से अधिक भारतीय प्रवासी समुदाय आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक संबंधों की कड़ियों को कुछ ऐसे जोड़ता है, जिसका कोई तोड़ नहीं। भारत और यूएई के बीच स्थानीय मुद्राओं के माध्यम से व्यापार अब अमेरिकी डालर के बजाय रुपये और दिरहम में संभव है। इससे मुद्रा उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक वित्तीय जोखिमों का प्रभाव कम होता है। ऐसी सुविधा मौजूद संकट के समय और महत्वपूर्ण हो जाती है। होर्मुज संकट ने खाड़ी क्षेत्र की खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं की कमजोरियों को स्पष्ट कर दिया है। दशकों तक लचीलापन उनकी प्राथमिकताओं में नहीं था, जबकि आज प्राथमिकता निर्णायक रूप से बदल गई है।

परंपरा, बाजार और बदलती पहचान

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की सांस्कृतिक संरचना में त्योहारों का स्थान केवल आनंद और उत्सव तक सीमित नहीं है बल्कि वे समाज की ऐतिहासिक स्मृति, आर्थिक संरचना, प्रकृति के साथ संबंध और मानवीय संवेदनाओं के गहरे ताने-बाने से जुड़े होते हैं। यहाँ त्योहार जीवन के हर पहलू को स्पर्श करते हैं- खेती, ऋतु परिवर्तन, पारिवारिक संबंध, सामूहिकता और आस्था। लेकिन वर्तमान समय में यह प्रश्न गंभीरता से उठाया जाने लगा है कि क्या हमारे पारंपरिक त्योहार अपनी मूल आत्मा से दूर हो रहे हैं? क्या उन पर एक प्रकार का 'सांस्कृतिक हमला' हो रहा है, जो धीरे-धीरे उनकी असल पहचान को बदल रहा है?

सांस्कृतिक हमला शब्द भले आक्रामक प्रतीत होता हो लेकिन इसका आशय किसी एक वर्ग या समूह पर आरोप लगाना नहीं है। यह उस धीमी, सूक्ष्म और कई बार अनदेखी प्रक्रिया की ओर संकेत करता है, जिसके माध्यम से परंपराएँ अपने मूल सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ से हटकर नए अर्थ ग्रहण करने लगती हैं। यह परिवर्तन कभी स्वाभाविक होता है तो कभी सुनियोजित आर्थिक और वैचारिक प्रभावों का परिणाम भी हो सकता है।

भारतीय त्योहारों की जड़ें मुख्यतः कृषि और प्रकृति से जुड़ी रही हैं। देश का अधिकांश समाज सदियों तक कृषि आधारित रहा है इसलिए फसल, मौसम और भूमि के साथ उसका गहरा रिश्ता रहा। फसल कटने की खुशी, नई बुवाई की शुरुआत, वर्षा के आगमन का स्वागत- ये सब त्योहारों के माध्यम से व्यक्त होते थे। इन उत्सवों में किसान केंद्र में होता था क्योंकि वही अन्न का उत्पादक था और वही समाज की जीवन रेखा को बनाए रखता था। ऐसे त्योहारों में आडंबर कम और सहभागिता अधिक होती थी। लोग मिलकर गाते-बजाते, सामूहिक भोज करते और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते थे।

जैसे-जैसे समाज में शहरीकरण बढ़ा, औद्योगिकीकरण हुआ और बाजार की ताकतें मजबूत हुई, त्योहारों का स्वरूप भी बदलने लगा। अब त्योहारों को केवल सांस्कृतिक या सामाजिक दृष्टि से नहीं बल्कि आर्थिक अवसर के रूप में भी देखा जाने लगा। बाजार ने त्योहारों को उपभोग से जोड़ दिया-जहाँ खरीदारी, सजावट और प्रदर्शन को प्रमुखता मिलने लगी। त्योहारों के साथ 'ऑफर', 'डिस्काउंट' और 'शुभ खरीदारी' जैसे विचार जुड़ गए, जिसने उनके मूल स्वरूप को प्रभावित किया।

यह बदलाव केवल बाहरी नहीं है बल्कि मानसिकता में भी आया है। पहले त्योहारों का अर्थ था-मिलना-जुलना, आपसी साझेदारी की भावना और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना। अब कई जगहों पर यह प्रतिस्पर्धा का रूप ले चुका है- किसने कितना खर्च किया, किसने क्या खरीदा, किसका आयोजन कितना भव्य था। इस प्रक्रिया में त्योहारों की आत्मा कहीं पीछे छूटती चली गई।

त्योहारों पर सांस्कृतिक हमले की चर्चा करते समय एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है- लोक परंपराओं का हाशिए पर जाना। भारत में हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट परंपराएँ रही है, जो स्थानीय जीवनशैली, भाषा और संसाधनों से जुड़ी होती थीं। लेकिन आज मीडिया और बाजार के प्रभाव में एक प्रकार की सांस्कृतिक एकरूपता देखने को मिल रही है। कुछ खास त्योहारों और उनके खास तरीकों को पूरे देश में मानक बना दिया गया है, जिससे स्थानीय विविधताएँ धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं।

उदाहरण के लिए, कई ऐसे लोकपर्व जो कभी कृषि और ग्रामीण जीवन से जुड़े थे, अब शहरी और धार्मिक व्याख्याओं में बदल गए हैं। उनकी मूल भावना- जो श्रम, प्रकृति और सामूहिकता से जुड़ी थी- अब पौराणिक कथाओं और बाजार-प्रेरित प्रतीकों के पीछे दबती जा रही है। इससे समाज के उस वर्ग की भूमिका कम होती जा रही है, जो वास्तव में इन त्योहारों की आत्मा रहा है- यानी किसान और श्रमिक।

यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि हर बदलाव को नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। संस्कृति का स्वभाव ही परिवर्तनशील होता है। समय के साथ उसमें नए तत्व जुड़ते हैं और यही उसकी जीवंतता का प्रमाण है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब यह परिवर्तन असंतुलित हो जाता है- जब वह समाज के मूल आधार को कमजोर करने लगता है।

पुस्तकों को लेकर घटती रुचि, कल्पनाशीलता के मुरझाने का खतरा

योगेश कुमार गोयल

पुस्तकों की महत्ता और इनसे अर्जित ज्ञान के संबंध में सदैव कहा जाता रहा है कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता। पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और भाषाओं के माध्यम से अपनी विशिष्टताओं को प्रकट करते हुए एक कहानी और एक सामान्य विरासत के आसपास लोगों को एक साथ लाती हैं लेकिन यह चिंताजनक है कि पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की आदत निरंतर कम होती जा रही है। लोगों को पुस्तकें पढ़ने, कॉपीराइट कानूनों तथा अन्य उपायों को समझने के लिए प्रोत्साहित करने, लेखकों और पुस्तकों को वैश्विक सम्मान देने तथा पढ़ने की कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को यूनेस्को तथा दुनियाभर के अन्य संबंधित संगठनों द्वारा 'विश्व पुस्तक दिवस' मनाया जाता है। 'विश्व पुस्तक तथा कॉपीराइट दिवस' का औपचारिक शुभारंभ 'यूनेस्को' द्वारा 23 अप्रैल 1995 को किया गया था।

यह चिंता का विषय है कि आधुनिकता के दौर में बच्चों के साथ-साथ बड़ों का लगाव भी पुस्तकों के प्रति कम हुआ है। मोबाइल और कम्प्यूटर के जमाने में अब बच्चे हों या बड़े, अधिकांश इन्हीं पर अपना ज्यादातर समय बिताने लगे हैं लेकिन अधिकांश विद्वानों का स्पष्ट मत है कि इंटरनेट या विभिन्न संचार माध्यमों से मिलने वाली जानकारियों को हमारे मस्तिष्क को चुपचाप ग्रहण करना पड़ता है, जो दिमाग की खुद की कल्पनाशीलता को कुंद कर देते हैं जबकि पुस्तकें पढ़ने के लिए ध्यान, एकाग्रता और मेहनत की आवश्यकता होती है, जिससे विचारों और भावनाओं के लिए नई रोशनी और प्रोत्साहन मिलता है। इसलिए जरूरी है कि टीवी या सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से चिपके रहने के बजाय पुस्तकों की दुनिया को जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाए ताकि रचनात्मकता का उपयोग करते हुए क्षितिज का विस्तार करने में पुस्तकों की शक्ति का बेहतर उपयोग किया जा सके।

बाल साहित्य और ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों के माध्यम से बच्चों के मानसिक विकास को बढ़ावा देने और साहित्य के प्रति उनमें आजीवन प्रेम उत्पन्न करने का भी प्रयास किया जाए। जिस समय हमारे आसपास कोई नहीं होता या हम अकेले अथवा उदास हैं, परेशान हैं, ऐसे समय में पुस्तकें ही हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। हमारे दिलोदिमाग में उमड़ते सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर और कोई जरिया नहीं हो सकता।

सभी भारतीय भाषाओं में पुस्तकों को बढ़ावा देने और पढ़ने की संस्कृति विकसित करने की एक पहल के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रतिवर्ष दिल्ली में भव्य पुस्तक मेले 'विश्व पुस्तक मेला' का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार के आयोजन लोगों में किताबें पढ़ने की रूचि विकसित करने के साथ-साथ कलम और मुद्रित दुनिया की ताकत को दोहराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि हर साल इतने भव्य और विशाल पुस्तक मेले के सफल आयोजन के बावजूद विशेषकर हिन्दी भाषी पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की आदत कम हो रही है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि साल में एक बार आयोजित होने वाले विश्व पुस्तक मेले के अलावा भी ऐसे क्या प्रयास किए जाएं, जिससे लोगों की दिलचस्पी पुस्तकों के प्रति बढ़े और हिन्दी पुस्तकें ज्यादा से ज्यादा पाठकों तक पहुंच सकें।

आज के दौर में लोगों की रूचि पुस्तकों में कम होती जा रही है, ऐसे में पुस्तक मेलों के आयोजन के माध्यम से तो लोगों में पुस्तकों के प्रति आकर्षण बढ़ाने के प्रयास किया जाना जरूरी है ही, साथ ही स्कूलों और स्थानीय पुस्तकालयों में भी अच्छी पुस्तकें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। खासकर बच्चों के समग्र विकास के लिए तो उन्हें प्रेरणादायक बाल साहित्य, दिलचस्प नवीनतम साहित्य तथा अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकों की ओर आकर्षित करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि ऐसी पुस्तकों को पढ़ने से उनका मानसिक और सामाजिक विकास तीव्रता से होता है।

किसी भी स्कूल का पुस्तकालय बच्चों में पुस्तकों के प्रति प्रेम विकसित करने और उन्हें दुनिया के बारे में अधिक जानने में भी मदद करता है। यही कारण है कि केवल पाठ्य-पुस्तकों को ही बच्चों की समझ को विकसित करने के लिए पर्याप्त नहीं माना जाता। इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में सभी स्तर के विद्यार्थियों के लिए स्कूल और स्थानीय पुस्तकालयों में स्थानीय भाषाओं में दिलचस्प और प्रेरणादायक बाल साहित्य तथा पुस्तकें बड़ी संख्या में उपलब्ध कराने की बात कही गई थी लेकिन मौजूदा समय में स्कूलों में ऐसी पुस्तकों की उपलब्धता के आंकड़े बेहद निराशाजनक हैं।

कुछ राज्यों में स्कूलों की लाइब्रेरी में पुस्तकों की संख्या संतोषजनक है लेकिन कई राज्यों में बच्चों के पढ़ने के लिए पुस्तकों की कमी के मामलों में लापरवाही व उदासीनता साफ झलकती है। हालांकि नई पुस्तकों की खरीद के लिए प्रतिवर्ष लाखों रुपये का बजट आवंटित होता है लेकिन स्कूलों के पुस्तकालयों में रखरखाव के अभाव में पुस्तकों को दीमक चाट रहे हैं। कमोबेश ऐसा ही हाल देश के लगभग सभी राज्यों में देखने को मिलता है। स्कूलों में बच्चों के लिए पुस्तकों की उपलब्धता और उनके रखरखाव में लापरवाही के मामलों को गंभीरता से देखने और इसे लेकर कड़े कदम उठाने की जरूरत है ताकि स्कूली स्तर पर ही पुस्तकों के प्रति बच्चों का आकर्षण कम न होने पाए।

पुस्तकों की महत्ता को परिभाषित करते हुए अमेरिकी इतिहासकार व लेखक बारबरा डब्ल्यू तुचमन का कहना था कि पुस्तकें सभ्यता की वाहक हैं, जिनके बिना इतिहास मौन है, साहित्य गूंगा है, विज्ञान अपंग है, विचार और अटकलें स्थिर हैं। पुस्तकों की महत्ता और इनसे अर्जित ज्ञान के संबंध में सदैव कहा जाता रहा है कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता और पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और भाषाओं के माध्यम से अपनी विशिष्टताओं को प्रकट करते हुए एक कहानी और एक सामान्य विरासत के आसपास लोगों को एक साथ लाती हैं। पुस्तकें ज्ञान एवं नैतिकता की संदेशवाहक, अखण्ड सम्पत्ति, भिन्न-भिन्न प्रकार की संस्कृति हेतु एक खिड़की तथा चर्चा हेतु औजार का काम करती हैं तथा भौतिक वैभव के रूप में देखी जाती हैं। अच्छी पुस्तकें बच्चों और युवा पीढ़ी को ज्ञानवान, संस्कारित और चरित्रवान बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाती हैं।

भारत को गोली का सही ज़बाब देना चाहिए

संजय गोस्वामी

शनिवार 18 अप्रैल 26 को होरमुज़ जलडमरूमध्य में भारत के झंडे वाले दो जहाजों पर हुई फायरिंग ने ईरान की सत्ता संरचना में बढ़ती दरार को उजागर कर दिया है। यह फायरिंग इस बात को लेकर हुई भ्रम के कारण हुई कि शनिवार को होरमुज़ जलडमरूमध्य खुला था या नहीं। जहाँ एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि सभी जहाज होरमुज़ जलडमरूमध्य से गुज़र सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब वे ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के साथ समन्वय करें, वहीं इसके विदेश मंत्री, अब्बास अराघची ने कहा कि फ़ारस की खाड़ी में यह संकरा रास्ता खुला है, क्योंकि लेबनान में इज़राइल-हिज़्बुल्ला युद्ध के लिए संघर्ष-विराम समझौते पर सहमति बन गई थी। भारत को नेवी शिप भेज कर इसका करारा ज़बाब देना चाहिए भारत 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है और भारत ऐसा देश है जो गोली का ज़बाब गोली से देना जानता है भारत के लोग कहीं भी हो अगर हमला हुआ है तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए ईरान में सत्ता संघर्ष हो या कुछ भी ऐ एक आतंकवादी घटना है शिप पर भारत का तिरंगा होगा यदि इसे शक्ति से नहीं लिया गया तो आतंकी का हौसला बढ़ेगा और दुनिया में इसे मज़ाक बनाया जाएगा जिससे भारत की छवि धूमिल होगी जब ईरान की नेवी को अमेरिका के हमले से बचाने के लिए कोच्ची में अपना नेवी शिप भेज कर अमेरिका को अपनी ताकत का अहसास करा सकता है तो ऐसा हमला बर्दास्त नहीं है चाहे क़ोई भी हो भारत को इसका करारा ज़बाब देना चाहिए हम भगवान राम के मार्गदर्शन पर चलने वाले मान और मर्यादा से रहने वाला शांति प्रिय देश है तो हमें अपने लोगों की रक्षा का पूर्ण अधिकार है भारत को इसे गंभीरता से लेकर जबाबी कार्यवाही करना चाहिए अमेरिका क्या कर रहा है नहीं कर रहा है ऐ दो देशों का अंदरूनी मामला है इसमें भारत का क़ोई रोल नहीं है भारत एक शान्तिप्रिय देश है और भारत माँ की रक्षा के लिए मर मिटने वाला देश है ऐ हमला बिल्कुल जायज नहीं है इसपर भारत को कड़ा रुख अपनाना चाहिए ईरान की आबादी 9 करोड़ है और भारत की आबादी 140 करोड़ है इसे यदि हल्के में लिया गया तो परोसी दुश्मन मुल्क मज़ाक उड़ा सकता है क्योंकि उसके जहाज आ रहे हैं हम अपनी रक्षा के लिए आत्मनिर्भर हैं आतंकी हमला बर्दास्त नहीं है.

भारत परमाणु संपन्न देश है और भारतीयों की रक्षा के लिए भारतीय सेना पूरे विश्व में अव्वल है भारतीय सशस्त्र बल भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रबन्धन के अधीन हैं। 14 लाख से अधिक सक्रिय कर्मियों की शक्ति के साथ, यह विश्व की द्वितीय सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है इसलिए भारत को इसका कड़ा जबाब देना चाहिए नहीं तो पाकिस्तान और ईरान दोनों की सीमा सटती है वहाँ से तो आतंकवाद होता रहता है अब यदि धर्म के नाम पर ईरान भी इसी रास्ते चला तो आने वाले समय में आतंकवादी घटना बढ़ेगी लेकिन यहाँ तो एक नारी शक्ति बिल पर राजनीति हो रही जो संसद में पास नहीं हुआ लोकतंत्र है ऐसा होता है इसका सम्मान करना चाहिए हालांकि मुझे भी दुःख है लेकिन अदालत तो संसद के निर्णय को ही सही मानेगी अगर गलत है तो अगले चुनाव में पूर्ण बहुमत दे देना लेकिन राष्ट्र हित में जो निर्णय लिए जाएं वो सही हो इसलिए इस मुद्दे पर कार्यवाही करना चाहिए।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक की विफलता, राष्ट्र निर्माण को ठेस

भारत के भविष्य के खिलाफ विपक्षी राजनीतिक दलों का सबसे बड़ा अपराध कांग्रेस पार्टी, टीएमसी, समाजवादी पार्टी, डीएमके और अन्य विपक्षी दलों द्वारा संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) को विफल करके प्रदर्शित किया गया असंवैधानिक, अनियंत्रित और महिला विरोधी रवैया है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भारत को आंतरिक और बाह्य, दोनों मोर्चों पर लड़ना होगा।

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

भारत के भविष्य के खिलाफ विपक्षी राजनीतिक दलों का सबसे बड़ा अपराध कांग्रेस पार्टी, टीएमसी, समाजवादी पार्टी, डीएमके और अन्य विपक्षी दलों द्वारा संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) को विफल करके प्रदर्शित किया गया असंवैधानिक, अनियंत्रित और महिला विरोधी रवैया है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भारत को आंतरिक और बाह्य, दोनों मोर्चों पर लड़ना होगा। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों के साथ कम्युनिस्ट चीन और पश्चिमी जगत की गहरी बाजारवादी ताकतें भारत को अस्थिर करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। दूसरा मोर्चा उन आंतरिक विरोधियों का है जो भारत में अशांति फैलाने और अर्थव्यवस्था को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। दोनों ही शत्रुओं को यह जानना चाहिए कि भारत ऐसे सशक्त व्यक्तित्वों को जन्म देता है जो समाज में योगदान देते हैं और राष्ट्र की महानता को पुनर्स्थापित करने में सहायक होते हैं। न केवल पुरुषों ने बल्कि महिलाओं ने भी अनेक अवसरों पर दृढ़ता का परिचय देते हुए यह सिद्ध किया है कि भारत को पराजित नहीं किया जा सकता।

रानी अहिल्यादेवी होलकर: भारतीय इतिहास में उनका एक विशिष्ट स्थान है क्योंकि उनकी शासन शैली प्रशासनिक और सैन्य कौशल के साथ-साथ सौम्य शक्ति (पूरे भारत में सनातन धर्म और सांस्कृतिक प्रतीकों के प्रति सम्मान) पर भी बल देती है। समय के साथ इतिहास के उन पन्नों में भी महिलाओं के साहस और करुणा की कहानियां मिलती हैं जो समय के साथ लुप्त हो गए हैं। फिर भी, उन्होंने हमारी राष्ट्र माता की सेवा करने के अपने प्रयासों में दृढ़ता दिखाई और उनकी विरासत को आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। रानी देवी अहिल्याबाई होलकर को राजमाता के समान एक महान नेता और वीर योद्धा माना जाता है। उनकी अनेक उपलब्धियों से कई पीढ़ियों की महिलाएं प्रेरित हुई हैं, जिन्होंने 18वीं शताब्दी में प्रचलित लिंगभेद की मजबूत रूढ़ियों और धारणाओं को तोड़ा। एक ऐसी महिला के बारे में सोचिए, जिसने युद्ध में अपने पति को खोने के कुछ वर्षों बाद अपनी इकलौती सहयोगी को भी खो दिया। कई सम्राट युद्ध की तैयारी कर रहे थे। उनके बीच भी प्रतिद्वंद्वी थे। वह भयभीत नहीं हुई लेकिन जब उन्होंने कदम बढ़ाया तो बहुत शत्रुता का सामना करना पड़ा। ब्रिटिश इतिहासकार जॉन की ने उन्हें 'दार्शनिक रानी' का नाम दिया था।

निडर रानियों के लंबे इतिहास वाले देश में देवी अहिल्याबाई होलकर का असाधारण 30 वर्षीय शासनकाल अद्वितीय है, जिसने अमिट छाप छोड़ी और प्रेरणा का स्रोत बना। तमाम मुश्किलों के बावजूद, अपने छोटे से जीवनकाल में सनातन धर्म का विस्तार करके उन्होंने हिंदुत्व के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण का परिचय दिया, जिसे आज के हर भारतीय को बेहतर भारत और विश्व के लिए अपनाना चाहिए। अरविंद जावलेकर की पुस्तक 'लोकमाता अहिल्याबाई' के अनुसार, अपने इकलौते बेटे की मृत्यु के बाद अहिल्याबाई होलकर ने अपनी सारी संपत्ति भारत भर के मंदिरों के निर्माण, जीर्णोद्धार, नवीनीकरण और रखरखाव में लगा दी थी। हिंदुत्व की प्रतीक अहिल्यादेवी ने धर्म के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक उन्नति को भी बढ़ावा दिया।

शासन और प्रशासनः अहिल्याबाई अपने निष्पक्ष और कुशल शासन के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने अपने राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखी और जनता एवं धर्म के कल्याण को प्राथमिकता दी।

1. अवसंरचना विकासः उन्होंने कई अवसंरचना संबंधी पहल शुरू कीं जिनसे व्यापार और कृषि को बढ़ावा मिला, जैसे सिंचाई प्रणाली और सड़कें।

2. संस्कृति का संरक्षणः मंदिरों का निर्माणः एक धर्मनिष्ठ हिंदू होने के नाते, अहिल्याबाई ने पूरे भारत में कई मंदिरों के निर्माण का आदेश दिया। कलाओं को प्रोत्साहनः उन्होंने कवियों, कलाकारों और शिक्षाविदों को सहयोग देकर सांस्कृतिक पुनरुद्धार में योगदान दिया। उनका दरबार कला और साहित्य का केंद्र बन गया।

3. समाज में सुधारः महिलाओं का समर्थनः अहिल्याबाई ने महिलाओं के कल्याण और अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने समाज में महिलाओं की स्थिति को ऊपर उठाने के कई प्रयासों का समर्थन किया और उनकी शिक्षा को बढ़ावा दिया। परोपकारी कार्यः वे अपनी उदारता के लिए प्रसिद्ध थीं, उन्होंने कई सामाजिक कार्यों का प्रायोजन किया और अकाल के दौरान सहायता प्रदान की।

4. सैन्य रक्षात्मक रणनीतियों में नेतृत्वः अहिल्याबाई शांतिप्रिय नेता थीं, लेकिन वे सैन्य नेतृत्व में भी सक्षम थीं। उन्होंने अपने राज्य को आक्रमणों से सुरक्षित रखने के लिए एक मजबूत सैन्य उपस्थिति बनाए रखी।

5. धार्मिक सहिष्णुता और विभिन्न समुदायों में एकताः अहिल्याबाई ने धार्मिक सहिष्णुता का अभ्यास और समर्थन करके अपने राज्य के विभिन्न समुदायों में एकता को बढ़ावा दिया, हालांकि उन्होंने सनातन धर्म और महान संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास करने वालों पर आक्रमण किया।

6. विरासत का स्थायी प्रभावः उन्हें भारतीय इतिहास में एक आदर्श माना जाता है और उनकी उपलब्धियों ने एक अमिट विरासत छोड़ी है। पूरे भारत में उनकी प्रतिमाएं और स्मारक हैं। ये प्रतिमाएं और स्मारक उनके बलिदानों और उनके द्वारा प्रतिपादित साहस और एकता की याद दिलाते हैं। यह राष्ट्रीय एकता और एकीकरण की अवधारणा है जो राष्ट्र के प्रति गौरव और वर्तमान राजनीतिक आकांक्षाओं को दर्शाती है।

इसके अतिरिक्त, यह जनता को उस समय की घटनाओं और आज भी उनके महत्व के बारे में जानकारी देती है। यह स्थानीय पहचान और रीति-रिवाजों के साथ घनिष्ठ संबंध को प्रोत्साहित करती है। स्मारकों के माध्यम से देशभक्ति की भावना और उस स्वतंत्रता की रक्षा के लिए साझा प्रतिबद्धता जागृत होती है जिसके लिए उन्होंने लड़ाई लड़ी थी। नए स्मारकों में महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण सहित आधुनिक मुद्दों को भी शामिल किया गया है।

महिलाओं ने समाज और राष्ट्र की रक्षा करने में अनेक अवसरों पर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया है। संसद में महिलाओं का अनुपात अपेक्षा से काफी कम होने पर मोदी सरकार ने इसे बढ़ाकर 33% करने का प्रयास किया; हालांकि, वंशवादी राजनीतिक दलों की मानसिकता अपने ही परिवार की महिलाओं की रक्षा करने की है, जबकि वे आम महिलाओं को दी जा रही शक्ति को स्वीकार करने से इनकार करते हैं। परिणामस्वरूप, उन्होंने विधेयक को पारित होने से रोक दिया। जब तक इस विधेयक पर पुनर्विचार करके इसे लागू नहीं किया जाता, तब तक महिलाएं आगामी चुनावों में सभी विपक्षी दलों से निश्चित रूप से बदला लेंगी।

तीन विधेयकों को लेकर बनी अस्पष्टता पर स्पष्टीकरणः 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम', जिसे अक्सर महिला आरक्षण अधिनियम के नाम से जाना जाता है, कहता है कि 2026 के बाद होने वाली जनगणना के बाद परिसीमन के आधार पर महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किया जाएगा। यदि सरकार जनगणना और उसके बाद परिसीमन का इंतजार करती तो महिलाएं 2029 के आम चुनाव में 33% आरक्षण का लाभ नहीं उठा पातीं, क्योंकि जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया में समय लगता है।

सांसद ज्योत्सना महंत की अध्यक्षता में 'दिशा' बैठक सम्पन्न, योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। समग्र विकास, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की महत्वपूर्ण बैठक जिला पंचायत कोरिया के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कोरबा लोकसभा सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने की जिसमें विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सांसद महंत ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुंचे। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए सांसद ने सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में पानी की समस्या नहीं होनी चाहिए इसके लिए पहले से तैयारी और वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

इसके साथ ही बढ़े हुए बिजली बिलों की शिकायतों की जांच करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए गए। टीकाकरण, एम्बुलेंस सेवाओं और डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। सांसद महंत ने बढ़ते सड़क हादसों पर चिंता व्यक्त करते हुए हेलमेट अनिवार्यता लागू करने, राष्ट्रीय राजमार्गों पर संकेतक लगाने तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही जनजागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान के तहत जल संरक्षण कार्यों की सराहना की गई। मनरेगा के माध्यम से किए जा रहे कार्यों से जल संकट में कमी आई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। वहीं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से हजारों महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की सराहना की गई। 'लखपति दीदी' जैसी योजनाओं से महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है। कृषि क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने और उनके उत्पादों के बेहतर विपणन की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 79 प्रतिशत आवास पूर्ण होने की जानकारी दी गई शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा गया।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की बड़ी सफलता, जिले में बाल विवाह समय रहते रोके गए

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में बाल विवाह जैसी कुप्रथा के खिलाफ प्रशासन ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम कोडांगी, ग्राम पंचायत केलुआ और ग्राम पंचायत दुगला में होने वाले तीन बाल विवाहों को समय रहते रोक दिया गया, जिससे नाबालिगों का भविष्य सुरक्षित हो सका। सूचना मिलते ही कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश पर जिला प्रशासन हरकत में आया। जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा संयुक्त टीम का गठन किया गया। इस टीम में ब्लॉक परियोजना अधिकारी, सेक्टर सुपरवाइजर, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन, थाना केल्हारी और थाना खड़गवां की पुलिस टीम, विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य, सरपंच तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल थे। संयुक्त टीम ने तत्काल तीनों स्थानों पर पहुंचकर बाल विवाह की प्रक्रिया को रुकवाया और संबंधित परिवारों को समझाइश दी। अधिकारियों ने मौके पर ही बाल विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि यह एक गंभीर अपराध है जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत बालक के लिए 21 वर्ष और बालिका के लिए 18 वर्ष से कम आयु में विवाह करना पूर्णतः गैरकानूनी है। इस तरह के विवाह में शामिल किसी भी व्यक्ति-जैसे पंडित, पुरोहित, टेंट संचालक, रिश्तेदार या अन्य सहयोगी-पर 2 वर्ष तक की सजा और 1 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। कार्रवाई के दौरान संबंधित मामलों में पंचनामा और प्रतिवेदन भी तैयार किया गया। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने में सहयोग करें और ऐसी किसी भी सूचना को तत्काल टोल फ्री नंबर 1098 पर साझा करें।

मनेंद्रगढ़ का JOS बना प्रदेश का रोल मॉडल, पूरे छत्तीसगढ़ में होगा विस्तार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले से शुरू हुआ अभिनव स्वच्छता अभियान 'जर्नी ऑफ सैनिटेशन हाइजीन JOS अब पूरे छत्तीसगढ़ के लिए एक मिसाल बन गया है। स्वच्छता के साथ रोजगार को जोड़ने वाले इस मॉडल को राज्य स्तर पर आयोजित स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की अपेक्स समिति की बैठक में प्रदेशभर में लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव विकास शील द्वारा दिए गए इस निर्देश से स्पष्ट है कि यह नवाचार अब पूरे राज्य में विस्तार पाएगा।

यह अभियान 5 जनवरी 2026 को खड़गवां में प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा प्रारंभ किया गया था अल्प समय में ही इसने उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए जनआंदोलन का रूप

ले लिया है। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के नेतृत्व में इस योजना का जिले के तीनों जनपदों में सुदृढ़ क्रियान्वयन किया गया। अभियान के अंतर्गत संस्थागत, व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत शौचालयों के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ ही स्वच्छता को जन-जन से जोड़ा गया है। साथ ही युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ते हुए एक सशक्त मॉडल विकसित किया गया है, जो आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम भी बन रहा है। जिला समन्वयक राजेश जैन के अनुसार स्वच्छता प्रहरियों द्वारा अब तक लगभग 200 यूनिट शौचालयों की सफाई की जा चुकी है जिससे करीब 60 हजार रुपये की आय अर्जित हुई है। यह पहल दर्शाती है कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। अभियान के तहत शौचालयों की केवल सफाई ही नहीं, बल्कि उनकी मरम्मत का कार्य भी किया जा रहा है। स्वच्छता प्रहरी जाम पैन, पाइप, चैंबर और टाइल्स फिटिंग जैसी समस्याओं का समाधान कर अनुपयोगी शौचालयों को पुनः उपयोगी बना रहे हैं जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता की स्थिति में सुधार हुआ है। इस योजना के अंतर्गत प्रति यूनिट मात्र 200 रुपये में गुणवत्तापूर्ण सेवा उपलब्ध कराई जा रही है जिससे आम नागरिकों को सुलभ सुविधा मिल रही है। योजना के सफल संचालन के लिए शिक्षा, पंचायत, महिला एवं बाल विकास तथा आदिवासी विकास विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है। स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और सार्वजनिक संस्थानों में नियमित साफ-सफाई से जागरूकता भी बढ़ी है। जिले की यह पहल अब पूरे छत्तीसगढ़ के लिए रोल मॉडल बन चुकी है। JOSअभियान ने यह साबित किया है कि नवाचार, जनभागीदारी और सशक्त नेतृत्व के माध्यम से स्वच्छता के साथ रोजगार और सामाजिक-आर्थिक विकास को नई दिशा दी जा सकती है।

एमसीबी के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर, रायपुर में आवासीय खेल अकादमी चयन ट्रायल आयोजित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों के लिए खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का एक सुनहरा अवसर सामने आया है। रायपुर जिले में संचालित विभागीय आवासीय खेल अकादमी के लिए सत्र 2026-27 हेतु चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें एमसीबी जिले सहित पूरे प्रदेश के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार चयन ट्रायल में तीरंदाजी, फुटबॉल, वेटलिफ्टिंग, हॉकी और एथलेटिक्स जैसे प्रमुख खेल शामिल हैं। तीरंदाजी और वेटलिफ्टिंग में बालक एवं बालिका दोनों वर्गों के लिए चयन होगा जबकि फुटबॉल केवल बालिका वर्ग के लिए

आयोजित किया जाएगा हॉकी और एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं दोनों वर्गों के लिए खुली रहेंगी। चयन प्रक्रिया 28 एवं 29 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगी, जिसमें खिलाड़ियों का पंजीयन, दस्तावेजों की जांच, चिकित्सकीय परीक्षण तथा शारीरिक दक्षता परीक्षण किया जाएगा। इसके पश्चात 30 अप्रैल से 1 मई 2026 तक खेल कौशल परीक्षण आयोजित किए जाएंगे जिसमें प्रतिभागियों की वास्तविक क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा। सभी परीक्षण प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से प्रारंभ होंगे। इस ट्रायल में राज्य के सभी जिलों के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। इसके अलावा 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग के अन्य राज्यों के खिलाड़ियों को भी भाग लेने की अनुमति दी गई है। चयन के लिए रायपुर स्थित प्रमुख खेल परिसरों को आयोजन स्थल बनाया गया है। चयनित खिलाड़ियों को आवासीय खेल अकादमी में निःशुल्क आवास, भोजन, शिक्षा, खेल परिधान, प्लेइंग किट तथा दुर्घटना बीमा जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इससे खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और बेहतर संसाधन उपलब्ध होंगे, जो उनके खेल करियर को नई दिशा देंगे। इच्छुक खिलाड़ी जिला कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं या चयन प्रक्रिया के प्रथम दिन रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में प्रातः 7 बजे पहुंचकर सीधे पंजीयन करा सकते हैं। यह अवसर विशेष रूप से उन युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है जो खेल के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का लक्ष्य रखते हैं।

प्राकृतिक आपदा में मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्राकृतिक आपदाओं में मृत व्यक्तियों के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की व्यवस्था के तहत जिले में चार मामलों में राहत राशि स्वीकृत की गई है। यह सहायता राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 में संशोधित प्रावधानों के अनुसार प्रदान की गई है जिसका उद्देश्य आपदा की कठिन घड़ी में प्रभावित परिवारों को संबल देना है। जारी आदेश के अनुसार तहसील नागपुर के ग्राम बरकेला निवासी सरिता की सर्पदंश से मृत्यु हो जाने पर उनके वारिस जगरनाथ सिंह को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार तहसील खड़गवां के ग्राम जरौंधा निवासी फुलकुंवर की कुंए में डूबने से मृत्यु होने पर उनके वारिस धर्मपाल सिंह को 4 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई है।

इसके अतिरिक्त तहसील खड़गवां के ही ग्राम बेलकामार निवासी अजय कुमार की तालाब में डूबने से मृत्यु होने पर उनके वारिस दीपक कुमार सिंह को भी 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। वहीं तहसील केल्हारी के ग्राम मुसरा निवासी गीता की नाले में डूबने से मृत्यु होने पर उनके वारिस संतलाल को 4 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यह सहायता राशि प्राकृतिक आपदा राहत मद के अंतर्गत प्रदान की जा रही है, जिससे प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता मिल सके और वे संकट की इस घड़ी से उबर सकें। सभी मामलों में संबंधित अधिकारियों द्वारा जांच एवं आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद ही सहायता स्वीकृत की गई है। स्वीकृत राशि का व्यय मांग संख्या-58 के मुख्य शीर्ष 2245 (प्राकृतिक आपदा राहत) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में वहन किया जाएगा। जिला प्रशासन ने बताया कि शासन द्वारा आपदा प्रभावितों के लिए निरंतर राहत उपाय किए जा रहे हैं और भविष्य में भी पात्र हितग्राहियों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल से स्पष्ट है कि शासन प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनशील है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कूटी-ट्रैक्टर की टक्कर में युवक की मौत :ग्रामीणों ने चक्काजाम कर ब्रेकर बनाने की मांग की

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। देहात थाना क्षेत्र में पिपरसमा अनाज मंडी के सामने गुरुवार को स्कूटी और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में 25 वर्षीय युवक अंकेश धाकड़ की मौके पर मौत हो गई। जिसके बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क पर चक्का जाम कर ब्रेकर बनाने की मांग की। मृतक अंकेश धाकड़ (25), निवासी ऊंची बरोद, अपने मामा के गांव पिपरसमा से वापस लौट रहा था इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हुआ बताया जा रहा है कि स्कूटी और सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली के बीच जोरदार टक्कर हुई टक्कर इतनी तेज थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। प्राथमिक जानकारी के अनुसार हादसे की वजह ट्रैक्टर चालक की लापरवाही बताई जा रही है हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन और मामा पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत से सभी में आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया उन्होंने मंडी मार्ग पर ब्रेकर बनाने की मांग उठाई ताकि भविष्य में ऐसे हादसे रोके जा सकें। चक्का जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं मंडी आने-जाने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य वाहन काफी देर तक फंसे रहे। सूचना मिलने पर देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी समझाइश देकर ग्रामीणों को शांत कराया और जाम को हटवाकर यातायात सामान्य कराया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

धान के लिए हरी खाद सर्वोत्तम विकल्प, कृषि विभाग का विशेष अभियान शुरू

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में धान उत्पादन बढ़ाने एवं मृदा उर्वरता सुधारने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा खरीफ सीजन के लिए हरी खाद और जैव उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत किसानों को रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर हरी खाद अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कृषि विभाग के अनुसार रासायनिक उर्वरकों के निरंतर उपयोग से मिट्टी में जैविक तत्वों और लाभदायक सूक्ष्म जीवों की संख्या में कमी आ रही है, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति घट रही है और फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए हरी खाद एक प्रभावी और टिकाऊ विकल्प के रूप में सामने आई है। जिले के अधिकांश किसान रोपा पद्धति से धान की खेती करते हैं। ऐसे में रोपाई से पहले खेतों में ढैंचा, सन और अन्य शीघ्र बढ़ने वाली दलहनी फसलों की बुवाई कर उन्हें उचित अवस्था में मिट्टी में मिला दिया जाता है। इससे मृदा में जैविक पदार्थों की वृद्धि होती है तथा वातावरण से नाइट्रोजन स्थिरीकरण के साथ ही फॉस्फोरस और पोटाश की उपलब्धता भी बढ़ती है। विशेषज्ञों के मुताबिक ढैंचा हरी खाद के रूप में अत्यंत उपयोगी है, जिससे प्रति हेक्टेयर लगभग 30 से 40 किलोग्राम नाइट्रोजन प्राप्त हो सकती है। इसकी बुवाई खेती शुरू होने से 35 से 45 दिन पहले की जाती है और 2 से 3 फुट ऊंचाई होने पर इसे खेत में पलट दिया जाता है। एक सप्ताह के भीतर यह सड़-गलकर प्राकृतिक खाद में बदल जाती है जिससे फसल को आवश्यक पोषण मिलता है और उत्पादन में वृद्धि होती है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में कुल 176 हेक्टेयर क्षेत्र में हरी खाद के उपयोग का लक्ष्य रखा गया है।

OPS में पूर्व सेवा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता :हाईकोर्ट ने खारिज की शासन की अपील, शिक्षकों के पेंशन का रास्ता साफ

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने एक शिक्षक की याचिका पर राज्य शासन की अपील को निरस्त कर दिया है। साथ ही कहा है कि शिक्षाकर्मी एलबी की पूर्व सेवा गणना के आधार पर पेंशन के प्रकरणों का निर्धारण किया जाए। OPS कोर्ट ने स्पष्ट कहा है में पूर्व सेवा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ अब राज्य शासन सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकती है। दरअसल, चिरमिरी नगर निगम

में पदस्थ शिक्षक राजेंद्र प्रसाद पटेल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर संविलियन से पूर्व की सेवा को पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने की मांग की थी। याचिका में कहा गया कि संविलियन के बाद भी उनकी पूर्व सेवा को पेंशन गणना में नहीं जोड़ा जा रहा है जो उनके साथ अन्याय है। इस मामले में हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था, वह पूर्व सेवा को पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने पर विचार करे। इसके लिए सरकार को 120 दिनों का समय भी दिया गया था। हालांकि इस निर्देश पर अमल करने के बजाय राज्य सरकार ने सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए डिवीजन बेंच में अपील की थी। डिवीजन बेंच में सुनवाई के दौरान शिक्षक राजेंद्र प्रसाद पटेल भी पक्षकार के रूप में शामिल रहे। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में हुई। राज्य सरकार ने अपने पक्ष में शर्तों का हवाला देते हुए कहा कि संविलियन के समय जो शर्तें तय की गई थीं उसी के आधार पर पेंशन का निर्धारण किया जाना चाहिए कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। डिवीजन बेंच ने स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि जब संविलियन के दौरान पूर्व सेवा की गणना को मान्यता दी गई है, तो फिर पुरानी पेंशन योजना में उसे शामिल करने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए कोर्ट ने माना कि पूर्व सेवा को नजरअंदाज करना न्यायसंगत नहीं है। हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया है। दूसरी तरफ अब इस फैसले के खिलाफ राज्य शासन सुप्रीम कोर्ट जा सकती है। हालांकि विधि अधिकारियों का कहना है कि फैसले का परीक्षण किया जा रहा है। बता दें कि प्रदेश में 1.50 लाख से अधिक शिक्षक हैं अगर हाईकोर्ट के आदेश पर ओल्ड पेंशन स्कीम लागू किया जाता है तो उन्हें 100% पेंशन देना पड़ेगा।

माचिस गोदाम में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का सामान खाक

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। व्यापार विहार स्थित एक माचिस गोदाम में आज सुबह शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इस घटना में लाखों रुपये का माचिस और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। आग की सूचना मिलते ही नगर निगम और फायर ब्रिगेड की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दुसरी घटना सरकंडा थाना क्षेत्र के अशोक नगर में बुधवार की देर रात दुकान और गोदाम में भीषण आग लग गई जिसमे सारा सामान जल गया। नगर निगम के अपर आयुक्त खजांची कुम्हार ने बताया कि आग बुझाने के लिए व्यापार विहार के गोदाम की दीवार तोड़नी पड़ी। आग को फैलने से रोकने के लिए निगम के

एक्सीवेटर और स्काई लिफ्ट का उपयोग किया गया। उन्होंने बताया कि दूसरी मंजिल पर आग बुझाने का कोई रास्ता नहीं था, जिसके कारण एक्सीवेटर से दीवार तोड़कर आग पर काबू पाया गया। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट दीपांशु नाथ ने बताया कि व्यापार विहार में माचिस और पान मसाला के सामानों की दुकान में सुबह करीब 4 बजे लगी आग पर काबू पा लिया गया है।

नर्मदापुरम में 43.2 डिग्री पहुंचा पारा, सड़कों पर सन्नाटा हिल स्टेशन पचमढ़ी में 12 डिग्री का अंतर होने से गर्मी से राहत

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम और खजुराहो में भीषण गर्मी का दौर जारी है। दिन के साथ रातें भी गर्म होती जा रही हैं, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल रही। बुधवार को अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री दर्ज हुआ, जो पिछले 24 घंटे में 0.2 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 28.9 डिग्री रहा। दोपहर के समय गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया। मौसम शुष्क रहने से लू जैसे हालात बन रहे हैं और बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। मौसम वैज्ञानिक वी.एस. यादव के अनुसार, अगले पांच दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। बादल हटने से अधिकतम तापमान में और बढ़ोतरी होगी और गर्म हवाएं चलेंगी। रात का तापमान भी सामान्य से अधिक बना रहेगा। पिछले चार दिनों से बादल छाए रहने के कारण रात का तापमान 25 से 28 डिग्री के बीच बना हुआ है, जिससे उमस और गर्मी दोनों का असर महसूस हो रहा है।

पचमढ़ी में राहत, 12 डिग्री कम तापमान: हिल स्टेशन पचमढ़ी में नर्मदापुरम की तुलना में करीब 12 डिग्री कम तापमान दर्ज किया गया। यहां बुधवार को अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री रहा, जो एक दिन पहले 32.8 डिग्री था। पचमढ़ी में रात का तापमान भी नर्मदापुरम की तुलना में 13-14 डिग्री कम है, जिससे वहां लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल रही है।

फंदा बना रही थी महिला, पुलिस ने तोड़ा दरवाजा सागर में 30 वर्षीय महिला सुसाइड करने वाली थी सूचना पर चंद मिनटों में पहुंची पुलिस

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र के धर्माश्री इलाके में बुधवार को 30 वर्षीय एक महिला ने खुद को कमरे में बंद कर फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही डायल-112 और मोतीनगर थाना पुलिस ने चंद मिनटों में मौके पर पहुंचकर पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा और फंदा लगा रही महिला की जान बचा ली। पुलिस ने महिला को सुरक्षित बाहर निकालकर समझाइश देकर शांत करा दिया है और मामले में आगे की जांच के लिए उसके बयान दर्ज किए हैं।

कंट्रोल रूम को मिली थी सूचना, चंद मिनटों में पहुंची पुलिसः पुलिस के अनुसार, बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम में फोन पर सूचना मिली थी कि धर्माश्री इलाके में रहने वाले अनिल की 30 वर्षीय पत्नी रानी ने स्वयं को कमरे में बंद कर लिया है और वह फंदा लगाकर सुसाइड करने की कोशिश कर रही है। सूचना मिलते ही तत्काल डायल-112 और मोतीनगर थाना पुलिस को मौके पर भेजा गया। पुलिस चंद मिनटों में ही अनिल के घर पहुंच गई, जहां उन्होंने देखा तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था।

खिड़की से झांका तो फंदा लगा रही थी रानी: पुलिस टीम ने जब खिड़की से झांककर देखा तो रानी फंदा लगा रही थी। यह देखते ही मौके पर पहुंचे एसआई नरवध सिंह और पायलट साजिद खान ने तुरंत पड़ोसियों की मदद ली और कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। पुलिसकर्मियों ने तुरंत रानी को पकड़ लिया और फंदा लगाने से रोककर उसकी जान बचा ली। इसके बाद पुलिसकर्मी महिला को पकड़कर बाहर लाए और उसे समझाइश देकर शांत कराया।

छतरपुर में ब्रेक लगते ही गिरे बाराती, ड्राइवर की पिटाई वीडियो में मारपीट कैद, हादसे को लापरवाही मानकर भीड़ ने चालक को पीटा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के किशनगढ़ थाना क्षेत्र में गुरुवार को पिकअप वाहन ड्राइवर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग ड्राइवर के साथ मारपीट करते दिख रहे हैं। यह घटना देवरा और किशनगढ़ के बीच रायपुरा जंगल की घाटी में हुई। जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन एक बारात से लौट रहा था। वाहन के अंदर कुछ बाराती बैठे थे, जबकि कई लोग छत पर सवार थे। रास्ते में अचानक मिट्टी का ढेर आ जाने के कारण ड्राइवर ने वाहन को नियंत्रित करने के लिए अचानक ब्रेक लगाए। ब्रेक लगते ही छत पर बैठे दो बाराती संतुलन खोकर नीचे गिर गए। दोनों बारातियों के गिरने के बाद, वहां मौजूद अन्य लोगों ने इसे ड्राइवर की लापरवाही माना। इसके बाद गुस्साए बारातियों ने ड्राइवर को गाड़ी से नीचे उतारा और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान किसी ने घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सामने आया है।

ड्राइवर को भर्ती कराया: मारपीट में ड्राइवर को गंभीर चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि उसके पैर में गहरी चोट लगी है। घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। किशनगढ़ थाना प्रभारी कमलजीत मवई ने बताया कि यह मामला संज्ञान में आया है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अचानक ब्रेक लगाने से दो लोग गिर गए थे, जिसके बाद ड्राइवर के साथ मारपीट की गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मंदसौर स्व-गणना में प्रदेश में नंबर-1 बना पृथ्वी दिवस पर 19 हजार परिवारों ने भरे प्रपत्र जल संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले ने स्व-गणना (Self Enumeration) में मध्य प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर, जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन अभियान के तहत 19,000 परिवारों ने स्व-गणना प्रपत्र भरकर जागरूकता का संदेश दिया। जिला प्रशासन ने कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में एक बड़ी कार्यशाला का आयोजन किया था। इसमें बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए सामूहिक रूप से स्व-गणना फॉर्म भरे, जिससे यह प्रक्रिया एक जनआंदोलन का रूप ले सकी। इस दौरान श्री सत्येंद्र राठौर ने नागरिकों को स्व-गणना की पूरी प्रक्रिया का प्रशिक्षण भी दिया, ताकि वे आसानी से ऑनलाइन फॉर्म भर सकें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने बताया कि स्व-गणना की प्रक्रिया अत्यंत सरल, सुरक्षित और पूर्णतः गोपनीय है। उन्होंने कहा कि नागरिक अपनी सुविधा अनुसार किसी भी समय ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से यह फॉर्म भर सकते हैं। यह पहल न केवल जनगणना प्रक्रिया को सशक्त बनाएगी, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित करेगी। कलेक्टर ने जानकारी दी कि मंदसौर जिले ने अब तक 19,000 परिवारों द्वारा स्व-गणना प्रपत्र भरवाकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ, जिला मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने इसे जिले के जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। कलेक्टर अदिति गर्ग ने आमजन से अपील की कि वे स्व-गणना पोर्टल पर जाकर अपने घर के स्थान (लोकेशन) को चिन्हित कर स्वयं यह प्रक्रिया पूर्ण करें और इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे दिए गए लिंक (httpsÑ//se.census.gov.in) का उपयोग कर स्व-गणना फॉर्म अवश्य भरें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

पर्यावरण और जनगणना - दोनों के प्रति जागरूकता का संगमः विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यशाला ने न केवल जल संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि स्व-गणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में जनभागीदारी को भी नई दिशा दी।

छतरपुर में एक साथ 6 जगह लगी आग फायर ब्रिगेड खराब होने से काबू पाने में देरी टैंकर बुलाकर बाल्टी से पानी डालाकर बुझाई

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र में बुधवार को अलग-अलग 6 स्थानों पर आग लगने से हड़कंप मच गया। शिवपुरा, बैदार, बारी, मुहारी, बड़ी नरवा और बाघराजन क्षेत्रों में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। कई जगह खेतों और आसपास के इलाकों में आग तेजी से फैलती रही, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही गढ़ीमलहरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

20 दिनों से फायर ब्रिगेड खराब पड़ी: टीआई रीता सिंह ने नगर परिषद को फायर ब्रिगेड के लिए सूचना दी, लेकिन नगर परिषद की फायर ब्रिगेड पिछले 15-20 दिनों से खराब पड़ी होने के कारण मौके पर नहीं पहुंच सकी। ऐसे में हालात और भी गंभीर हो गए। स्थिति को संभालने के लिए टीआई रीता सिंह ने महाराजपुर, नौगांव और छतरपुर से फायर ब्रिगेड बुलाने के प्रयास किए। वहीं बड़ी बाघराजन के पास मोहारी हार क्षेत्र में करीब 20 एकड़ खेत में भीषण आग लगने की सूचना पर वे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और खुद आग बुझाने में जुट गईं।

बाल्टियों और पाइप से बुझाई आगः स्थानीय स्तर पर संसाधनों की भारी कमी देखने को मिली। जब पानी का टैंकर मौके पर पहुंचा तो उसमें पंप की व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में पुलिस और ग्रामीणों ने पाइप लगाकर और बाल्टियों के जरिए पानी भर-भरकर आग बुझाने का प्रयास किया। इस दौरान टीआई रीता सिंह खुद भी आग बुझाते नजर आईं।

आग इतनी तेजी से फैल रही थी कि वह बाढ़ के पानी की तरह आगे बढ़ती जा रही थी, जिससे उसे नियंत्रित करना बेहद मुश्किल हो रहा था। ग्रामीणों और पुलिस की कड़ी मशक्कत के बाद कई जगह आग पर आंशिक काबू पाया जा सका। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में फायर ब्रिगेड जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी और प्रशासनिक लापरवाही को उजागर कर दिया है।

दमोह के पुराने थाना परिसर में आग जब्तशुदा मिनी बस मैजिक, ट्रैक्टर और मिक्सचर मशीन जलकर खाक

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह जिले के मड़ियादो स्थित पुराने थाना परिसर में आज गुरुवार सुबह करीब 10 बजे अचानक आग लग गई। घटना में पुलिस अभिरक्षा में रखे चार जब्तशुदा वाहन आग की चपेट में आ गए और जलकर खाक हो गए। आग से प्रभावित वाहनों में एक जब्त मिनी बस, एक मैजिक गाड़ी, एक ट्रैक्टर और एक मिक्सचर मशीन शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने आग की लपटें उठती देख तुरंत थाना प्रभारी प्रीति पांडे को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, जिसके बाद हटा से फायर ब्रिगेड वाहन बुलाया गया। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने का कारण फिलहाल अज्ञात है। हालांकि, यह अंदेशा जताया जा रहा है कि पुराने थाना परिसर के आसपास पड़े सूखे पत्तों से आग शुरू हुई होगी, जो धीरे-धीरे वाहनों तक फैल गई। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे अन्य वाहन आग की चपेट में आने से बच गए। स्थानीय लोगों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से आग को भीषण रूप लेने से रोका जा सका।

खरगोन में 40 पार तापमान, दोपहर में लू जैसे हालात 10 दिन से 40-41 डिग्री पार

70 लाख मिर्च पौधों को बचाने कर रहे स्प्रे

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है, जिससे दोपहर 1 बजे के बाद लू जैसे हालात बन रहे हैं। भीषण गर्मी का असर जनजीवन के साथ खेती पर भी साफ दिखाई दे रहा है। गर्मी से बचाव के लिए किसान खेतों में मिर्च के पौधों पर पानी का स्प्रे कर रहे हैं और स्लाइडिंग नेट का उपयोग कर रहे हैं, ताकि तापमान को नियंत्रित रखा जा सके। बामखल के उन्नत किसान विजय यादव ने बताया कि वे पानी का छिड़काव कर करीब 70 लाख मिर्च के पौधों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। नेट हाउस में सुबह-शाम स्प्रे किया जा रहा है। मिर्च की फसल के लिए 20 से 27 डिग्री तापमान उपयुक्त होता है, जबकि वर्तमान में तापमान इससे कहीं अधिक है। स्लाइडिंग नेट करीब 50% तक गर्मी को रोकने में मदद कर रहे हैं। जिले में करीब 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मिर्च की रोपाई होती है। यहां की मिर्च निमाड़-मालवा के साथ महाराष्ट्र के कई शहरों में भी भेजी जाती है। इसके लिए पहले से ऑर्डर बुक किए जाते हैं।

पिछले 10 दिनों से 40-41 डिग्री तापमानः पिछले 10 दिनों से जिले में तापमान 40 से 41 डिग्री के बीच बना हुआ है। पिछले दो दिनों से बादल छाने के कारण रात में भी उमस बढ़ गई है और न्यूनतम तापमान 22-23 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में मौसम साफ रहेगा और गर्मी और बढ़ सकती है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। लोगों से अपील की गई है कि वे दोपहर में बिना टोपी या गमछे के धूप में बाहर न निकलें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें।

उधना-दुर्गापुर स्पेशल ट्रेन इटारसी होकर चलेगी यात्रियों की सुविधा के लिए 26 अप्रैल से 2-2 ट्रिप संचालित होगी

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उधना और दुर्गापुर के बीच विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन इटारसी होकर संचालित होगी, जिससे मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों के यात्रियों को सुविधा मिलेगी। रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 09175/09176 उधना-दुर्गापुर-उधना स्पेशल ट्रेन दो-दो ट्रिप के लिए चलाई जाएगी। यह पहल गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने में सहायक होगी।

गाड़ी संख्या 09175 उधना-दुर्गापुर स्पेशल ट्रेन 26 और 27 अप्रैल 2024 को उधना से सुबह 8:35 बजे प्रस्थान करेगी। यह उसी दिन इटारसी शाम 7:00 बजे और जबलपुर रात 11:00 बजे पहुंचेगी। अगले दिन, यह कटनी 1:00 बजे, सतना 2:45 बजे होते हुए रात 8:50 बजे दुर्गापुर पहुंचेगी।

इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 09176 दुर्गापुर-उधना स्पेशल ट्रेन 27 और 28 अप्रैल 2024 को दुर्गापुर से रात 11:50 बजे रवाना होगी। यह अगले दिन सतना 4:50 बजे, कटनी 6:45 बजे और जबलपुर रात 9:00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन इटारसी मध्यरात्रि 12:30 बजे पहुंचकर अगले दिन दोपहर 1:30 बजे उधना पहुंचेगी।

इस विशेष ट्रेन में कुल 17 कोच शामिल होंगे। इनमें 5 द्वितीय चेयरकार, 10 सामान्य श्रेणी के कोच, 1 जनरेटर कार और 1 एसएलआरडी कोच लगाए जाएंगे, जिससे विभिन्न वर्गों के यात्रियों को यात्रा का विकल्प मिलेगा। यह ट्रेन नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, सासाराम, गया, कोडरमा, धनबाद, आसनसोल और अंडाल जंक्शन जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रुकेगी।

रायसेन के धनोरा में नरवाई की आग गांव तक पहुंची बिजली की चिंगारी से भड़कीग्रामीणों ने खुद मोर्चा संभालकर पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन के धनोरा गांव में गुरुवार दोपहर नरवाई में लगी आग ने विकराल रूप ले लिया। यह आग बिजली की चिंगारी से भड़की और तेज हवा के कारण तेजी से फैलते हुए गांव तक पहुंच गई। आग फैलने से गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिगेड और संबंधित अधिकारियों को सूचना दी, लेकिन समय पर कोई सहायता नहीं पहुंची। इसके बाद गांव के समाजसेवी मनोहर मेहरा ने ग्रामीणों के साथ मिलकर आग बुझाने की जिम्मेदारी संभाली। ग्रामीणों ने ट्रैक्टरों में कल्टीवेटर लगाकर खेतों की जुताई की, ताकि आग की रफ्तार को रोका जा सके। कई ग्रामीणों ने अपने घरों से पानी की मोटर और जनरेटर निकालकर आग बुझाने में सहयोग किया। ग्रामीणों ने दूर-दूर से पानी लाकर सामूहिक प्रयासों से आग पर काबू पाया। शाम करीब 6 बजे तक आग पर नियंत्रण पा लिया गया। इस दौरान हरे-भरे पेड़ झुलस गए और किसानों के आंगन में रखी कटी हुई गेहूं की फसल को भी नुकसान पहुंचा। आग बुझाने के दौरान एक किसान झुलस गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजस्थान पासिंग कार से पकड़ी 1.80 लाख की शराब रतलाम पुलिस को देख भगाई पुलिस ने पीछा किया तो कार छोड़ कर भाग गए

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के सैलाना थाना पुलिस ने राजस्थान पासिंग कार से अवैध रूप से लाई जा रही करीब 1.80 लाख रुपए की शराब जब्त की है। कार्रवाई के दौरान 17 पेटी बीयर और अंग्रेजी शराब बरामद की गई। धामनोद चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर आनंद बागवान को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ग्रे रंग की स्वीफ्ट कार में अवैध शराब ले जाई जा रही है। सूचना पर पुलिस ने रतलाम-बांसवाड़ा रोड के बोदिना फंटा क्षेत्र में चेकिंग शुरू की। संदिग्ध कार (RJ-12-CA-9823) को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन को तेज गति से भगाकर फरार होने लगा। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया।

सुनसान इलाके में कार छोड़ खेतों में भागा आरोपीः पीछा करने पर आरोपी भैसाडाबर-हतनारा रोड के सुनसान क्षेत्र में कार छोड़कर खेतों की ओर भाग गया। पुलिस को मौके पर आरोपी नहीं मिला। तलाशी के दौरान कार से 14 पेटी बीयर और 3 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने वाहन सहित शराब जब्त कर ली है।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार चालक की तलाश जारी है।

दिल्ली की गलतियां अहमदाबाद में नहीं दोहराई जाएंगी

2030 CWG की आयोजन कंपनी में नहीं होंगे आईओए के पदाधिकारी

दिल्ली। अहमदाबाद में होने वाले 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन में विवादों से बचने के लिए मेजबान गुजरात सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) फूंक-फूंककर कदम रखने जा हैं। आयोजक ऐसी गलतियां नहीं दोहराना चाहते हैं जो 2010 के दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में विश्वव्यापी किरकिरी का कारण बनी थीं। जिसके चलते 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की आयोजन कंपनी (ओसी) में आईओए के शीर्ष पदाधिकारियों को शामिल नहीं किए जाने की तैयारी कर ली गई है।ओसी में आईओए पदाधिकारियों की बजाय सीईओ, सीओओ और सीएफओ जैसे पदों पर विशुद्ध पेशेवर विशेषज्ञों को रखा जाएगा। 2010 के खेलों में आयोजन समिति के चेयरमैन तत्कालीन आईओए अध्यक्ष सुरेश कलमाडी थे। इसमें ज्यादातर पदाधिकारी आईओए से ही संबद्ध थे। 2030 के खेलों के आयोजन की निगरानी का मुख्य जिम्मा मंत्रियों के समूह (ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स) और उससे नीचे खेलों के निदेशक मंडल (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स) का होगा। ये दोनों ग्रुप, ओसी के साथ मिलकर काम करेंगे।मंत्रियों के समूह में होंगे देश के कद्दावर मंत्री

सूत्र बताते हैं कि मंत्रियों के समूह, निदेशक मंडल और ओसी की घोषणा मई माह के अंत या जून माह तक किए जाने की उम्मीद है। मंत्रियों के समूह की संख्या 10 तक होगी जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री, नागरिक उड्डयन मंत्री, सांस्कृतिक-पर्यटन मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री, खेल मंत्री, गुजरात के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शामिल होंगे।

मुख्य कामों की मंजूरी मंत्रियों का समूह देगा। इसके नीचे निदेशक मंडल होगा जिसमें कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के दो प्रतिनिधि, कॉमनवेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया या आईओए के दो प्रतिनिधि, गुजरात सरकार से जुड़े चार प्रतिनिधि, दो देश के नामी खिलाड़ी और दो सदस्य निजी क्षेत्र से होंगे। निदेशक मंडल, ओसी को कार्यों को सुचारु ढंग से पूरा कराने का निर्देश देगा और उन पर निगरानी रखेगा।

आयोजन कंपनी में होंगे विशुद्ध पेशेवर : 2010 में आयोजन समिति बनी थी, लेकिन अब इसे आयोजन कंपनी का नाम दिया गया है। इसमें विशुद्ध पेशेवरों की नियुक्ति होगी। ओसी कमाई और खर्च का लेखा-जोखा रखेगी। राष्ट्रमंडल खेलों की कमाई का मुख्य स्रोत प्रसारण अधिकारी, प्रायोजक और टिकटों से होने वाली कमाई होगी। ओसी इसके लिए पूरी योजना बनाएगी। साथ ही ओसी यात्रा, रहना, खाना, स्थानीय ट्रांसपोर्ट, सुरक्षा, इवेंट मैंनेजमेंट के अलावा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले खर्च का भी ब्योरा रखेगी। ओसी पूरी तरह से गैर-लाभकारी कंपनी होगी।

क्या भारत में फंस नहीं देख पाएंगे फुटबॉल विश्व कप? प्रसारण अधिकार अब तक नहीं बिके, वजह चौंकाने वाली

फुटबॉल विश्व कप 2026 के भारत में ब्रॉडकास्ट राइट्स अभी तक नहीं बिके हैं, जिसकी वजह ऊंची कीमत, कम विज्ञापन रिटर्न और मैचों की असुविधाजनक टाइमिंग है। जियोस्टार और सोनी जैसे बड़े ब्रॉडकास्टर्स फिलहाल इंतजार की रणनीति अपना रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि टूर्नामेंट से पहले कोई न कोई डील जरूर हो जाएगी।फीफा विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब 50 दिन का समय बचा है। इस बड़े टूर्नामेंट के करीब आते ही दुनिया भर के फुटबॉल फैंस की उत्सुकता बढ़ती जा रही है, लेकिन भारत में एक बड़ा सवाल अब भी अनसुलझा है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा इवेंट के ब्रॉडकास्ट राइट्स यानी प्रसारण अधिकार आखिर अब तक क्यों नहीं बिक पाए हैं?फीफा विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब 50 दिन का समय बचा है। इस बड़े टूर्नामेंट के करीब आते ही दुनिया भर के फुटबॉल फैंस की उत्सुकता बढ़ती जा रही है, लेकिन भारत में एक बड़ा सवाल अब भी अनसुलझा है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा इवेंट के ब्रॉडकास्ट राइट्स यानी प्रसारण अधिकार आखिर अब तक क्यों नहीं बिक पाए हैं?भारतीय फैंस के लिए चिंता की वजह

भारत में फुटबॉल की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। यूरोपीय लीग्स से लेकर वर्ल्ड कप तक, दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ी है। ऐसे में जब फीफा वर्ल्ड कप जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के प्रसारण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, तो यह भारतीय फुटबॉल समुदाय के लिए चिंता का विषय बन गया है। इस स्थिति ने उस दौर की याद भी दिला दी है जब इंडियन सुपर लीग के आयोजन को लेकर भी असमंजस पैदा हो गया था, जिससे देश में फुटबॉल कल्चर को झटका लगा था। अगर इस बार भी ब्रॉडकास्ट डील समय पर नहीं होती, तो यह खेल के प्रचार-प्रसार पर असर डाल सकता है।

आखिर क्यों अटकी हुई है डील?

इस पूरे मामले की जड़ में सबसे बड़ा कारण है ब्रॉडकास्टिंग राइट्स की ऊंची कीमत। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फीफा ने भारत के लिए जो कीमत तय की है, वह स्थानीय ब्रॉडकास्टर्स की अपेक्षाओं से काफी ज्यादा है। फीफा ने ब्रॉडकास्टिंग राइट्स की कीमत में भारी कटौती करते हुए लगभग 100 मिलियन डॉलर से घटाकर करीब 35-40 मिलियन डॉलर कर दिया है, फिर भी कोई भी ब्रॉडकास्टर डील के लिए आगे नहीं आया है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में नया विवादः राजनीति की एंट्री ईरान की जगह इटली को खिलाने की मांग

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले ईरान की जगह इटली को शामिल करने का सुझाव सामने आने से नया विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, फिलहाल ईरान टूर्नामेंट का हिस्सा है और फीफा ने किसी बदलाव के संकेत नहीं दिए हैं। नियमों के चलते इटली की एंट्री मुश्किल नजर आ रही है।फीफा विश्व कप 2026 से पहले एक बड़ा विवाद सामने आया है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दूत ने सुझाव दिया है कि टूर्नामेंट में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। इस प्रस्ताव ने फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर राजनीति की एंट्री को लेकर बहस तेज कर दी है।

दूत ने खुद किया प्रस्ताव का खुलासा: ट्रंप के विशेष दूत पाओलो जाम्पोली ने इस सुझाव की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव उन्होंने जियानी इन्फैन्टिनो के सामने रखा। उन्होंने कहा, 'मैं पुष्टि करता हूं कि मैंने ट्रंप और (फीफा अध्यक्ष गियानी) इन्फैन्टिनो से सुझाव दिया कि वर्ल्ड कप में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। मैं इटली का रहने वाला हूं और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में अज़्ज़ूरी को देखना मेरा सपना है। चार खिताब के साथ उनके पास शामिल होने का मजबूत आधार है।'इटली की गैरमौजूदगी भी बनी चर्चा

चार बार की वर्ल्ड चैंपियन इटली इस बार क्वालिफाई नहीं कर पाई, जो फुटबॉल जगत के लिए बड़ा झटका रहा। लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप से बाहर रहना इटली जैसी बड़ी टीम के लिए चौंकाने वाला है। इसी वजह से यह प्रस्ताव और भी ज्यादा चर्चा में आ गया है।

क्या ईरान खेलेगा वर्ल्ड कप: फिलहाल ईरान टूर्नामेंट का हिस्सा बना हुआ है। टीम पहले ही क्वालिफाई कर चुकी है और उसके ग्रुप मैच अमेरिका में होने तय हैं। हालांकि, पहले ईरान ने यात्रा और राजनीतिक तनाव को देखते हुए अपने मैच दूसरे देश में कराने की मांग की थी, लेकिन फीफा ने अब तक शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया है।

क्या नियमों के तहत संभव है बदलाव: फीफा के नियमों के मुताबिक, अगर कोई टीम टूर्नामेंट से हटती है तो उसकी जगह दूसरी टीम को शामिल किया जा सकता है। लेकिन यह प्रक्रिया आसान नहीं होती। आमतौर पर उसी महाद्वीप (कॉनफेडरेशन) की टीम को मौका दिया जाता है। ऐसे में अगर ईरान बाहर होता भी है, तो एशियाई टीम को प्राथमिकता मिलने की संभावना ज्यादा है। इस वजह से इटली का शामिल होना फिलहाल बेहद मुश्किल माना जा रहा है।

अभी सिर्फ सुझाव, फैसला बाकी: यह प्रस्ताव अभी केवल एक सुझाव है और इस पर फीफा की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने हाल ही में ईरान टीम से मुलाकात के दौरान साफ किया था कि तैयारियां सामान्य रूप से जारी हैं।

वोल्वाड ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक शतकों के मामले में स्मृति और लैनिंग की बराबरी कर ली है

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वाड्ट ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक शतकों के मामले में भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मेग लैनिंग की बराबरी कर ली है।

लौरा ने जोहान्सबर्ग में भारत के खिलाफ अपने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। ??उन्होंने 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 53 गेंदों में 115 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और पांच छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 216.98 रहा।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान के नाम एक टेस्ट शतक, 13 महिला वनडे शतक और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं।

भारत के खिलाफ सीरीज के दौरान, लौरा ने लगातार तीन बार पचास से अधिक रन बनाए हैं, जिसमें 73.33 के औसत और 174.60 के स्ट्राइक रेट से 220 रन शामिल हैं, जिनमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं।

मैच की बात करें तो, दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। हरमनप्रीत (38 गेंदों में 66 रन, सात चौके और तीन छक्के) और शेफाली वर्मा (46 गेंदों में 64 रन, आठ चौके और दो छक्के) के अर्धशतकों की बदौलत भारत ने 20 ओवरों में 192 रन पर 4 विकेट बनाए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए नॉनकुलुलेको म्लाबा (2/31) सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वाड्ट के शतक (53 गेंदों में 115 रन, 14 चौके और पांच छक्के) और सुने लुस के अर्धशतक (42 गेंदों में 64* रन, छह चौके और दो छक्के) की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 21 गेंदें शेष रहते नौ विकेट से शानदार जीत हासिल की।

एएफसी चैंपियंस लीग टूः कोमन की हैट्रिक की बदौलत अल-नस्र ने अल-अहली को 5-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई

दुबई, एजेंसी। किंग्सले कोमन ने शानदार हैट्रिक लगाई, जिसके चलते अल-नस्र ने बुधवार को अल-अहली एससी पर 5-1 की शानदार जीत के साथ एएफसी चैंपियंस लीग टू के फाइनल में जगह बनाई।

मेहमान टीम की मजबूत शुरुआत के बावजूद, अल-नस्र की आक्रमण क्षमता निर्णायक साबित हुई और उन्होंने शुरुआती झटके से उबरते हुए रियाद में अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने एक व्यापक जीत हासिल की।

अल-अहली के पास सात मिनट के भीतर बढ़त बनाने का शानदार मौका था, लेकिन जूलियन ड्रैक्सलर की पेनल्टी को गोलकीपर बेंटो क्रेप्सकी ने बचा लिया। हालांकि, कतर की टीम को स्कोर खोलने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा, क्योंकि सेकोउ यानसाने ने एक शानदार शॉट को दूर के कोने में घुमाकर 1-0 की बढ़त दिला दी।

अल-नस्र ने लगभग तुरंत ही जवाब दिया। एंजेलो गैब्रियल ने फ्लैंक से आगे बढ़ते हुए कोमान को नज़दीकी रेंज से बराबरी का गोल करने का मौका दिया, और फिर सादियो माने के साथ शानदार तालमेल बिठाते हुए मेजबान टीम को बढ़त दिलाने में खुद भी सफल रहे।

कोमान ने हाफ-टाइम से ठीक पहले एक बार फिर गोल दागा, रक्षात्मक चूक का फायदा उठाते हुए अल-नस्र को हाफ-टाइम तक 3-1 की बढ़त दिला दी और मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण हासिल कर लिया।

फ्रांसीसी विंगर ने 64वें मिनट में अपनी हैट्रिक पूरी की, एंजेलो के एक और सटीक पास के बाद उन्होंने शांति से गोल दागा, जो उनके प्रभावशाली व्यक्तिगत प्रदर्शन का चरम था।

ओलिंपिक 2028 में क्रिकेट मुकाबले पोमोना में खेले जाएंगेः स्टेडियम का काम शुरू, 6 टीमें और टी-20 फॉर्मेट में होंगे मुकाबले

साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलिंपिक के लिए क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। कैलिफोर्निया के पोमोना में बुधवार को हुए भूमि पूजन के साथ ही क्रिकेट की 128 साल बाद ओलिंपिक में वापसी की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है।

पोमोना में खेले जाएंगे मैच

सभी मुकाबले लॉस एंजिल्स से लगभग 50 किलोमीटर दूर पोमोना स्थित फेयरग्राउंड्स मैदान पर खेले जाएंगे। ओलिंपिक में क्रिकेट मैच 12 जुलाई से 29 जुलाई 2028 तक आयोजित होंगे।

एक बार हुआ है ओलिंपिक में क्रिकेट

साल 1900 में पेरिस ओलिंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया था। इसके बाद क्रिकेट को ओलंपिक्स में नहीं लिया गया। पेरिस ओलंपिक्स के क्रिकेट इवेंट में सिर्फ दो टीमों इंग्लैंड और फ्रांस ने हिस्सा लिया था। इसमें इंग्लैंड ने गोल्ड और फ्रांस ने सिल्वर जीता था।

क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन जय शाह ने इस अवसर को खेल के लिए एक 'बड़ा मील का पत्थर' बताया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट वैश्विक खेल बनने की दिशा में बड़ी छलांग लगा रहा है। ओलिंपिक का हिस्सा बनना गर्व की बात है और हमें विश्वास है कि यह वेन्यू खेलों के दौरान केंद्र बिंदु बनेगा और अमेरिका में क्रिकेट की एक स्थायी विरासत छोड़कर जाएगा।

6 टीमें और टी-20 फॉर्मेट में होंगे मुकाबले

लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में क्रिकेट एक आधुनिक फॉर्मेट में लौटेगा। इसमें मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी के लिए अलग-अलग टी-20 इंटरनेशनल टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। हर टीम को 15 सदस्यीय स्क्वॉड की अनुमति होगी। विजेता टीमों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल दिए जाएंगे।

ओलिंपिक से पहले नाइट राइडर्स के मैच होंगे

ओलिंपिक की तैयारियों के रूप में इस फेयरप्लेक्स ग्राउंड्स पर 'मेजर लीग क्रिकेट' के तीन मुकाबले भी खेले जाएंगे। 1 से 5 जुलाई के बीच होने वाले इन मैचों में स्थानीय टीम लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स एक्शन में नजर आएगी। स्क्ष्ट अमेरिका की प्रमुख प्रोफेशनल टी-20 लीग है।

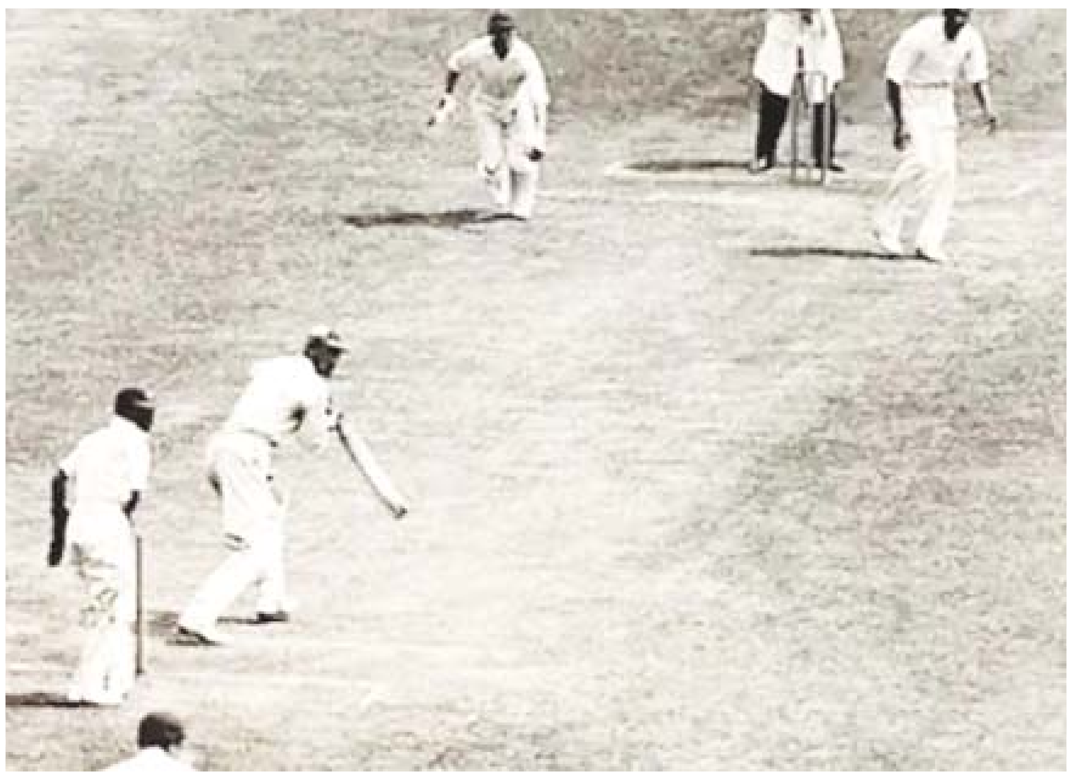

नगरीय निकायों के कार्यों की मैराथन समीक्षा का दूसरा दिन, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेशभर के नगरीय निकायों की समीक्षा का दौर आज दूसरे दिन भी जारी रहा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में आज दिनभर चली बैठक में सभी नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को बेतरतीब निर्माणों, अवैध प्लाटिंग और अतिक्रमण पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पंचायतों के कार्यों और व्यवस्थाओं में कसावट लाने को कहा। श्री साव ने कहा कि काम में लापरवाही और कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जवाबदेही तय कर संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सभी सीएमओ को नई सोच और नई कार्य पद्धति से शहरों तथा शहरवासियों के कल्याण के लिए काम करने को कहा। उन्होंने राज्य के उभरते शहरों को सुव्यवस्थित, सुनियोजित, स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ ही नागरिकों के लिए पर्याप्त जन सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पांचों संभागों के विभागीय क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों को हर तिमाही में प्रत्येक नगर पालिका और नगर पंचायत का व्यक्तिगत निरीक्षण कर संचालक को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक श्री आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सभी सीएमओ को आगामी 31 मई तक नगर पंचायतों की नई संपत्तियों पर करारोपण का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व संग्रहण बढ़ाने संपत्ति कर, जल कर, यूजर चार्ज जैसे करों की वसूली गंभीरता और कड़ाई से करने को कहा। उन्होंने एनर्जी ऑडिट के माध्यम से गैर-जरूरी विद्युत कनेक्शनों की पहचान कर इसके विच्छेदन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने निकाय के सभी कार्मिकों को हर माह समय पर वेतन और बिजली बिल का भुगतान सुनिश्चित करने को भी कहा।

श्री साव ने जल संरक्षण के लिए विशेष प्रयास करने के लिए निर्देशित करते हुए शत-प्रतिशत भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का निर्माण कराने को कहा। उन्होंने 31 मई तक बड़े नाला-नालियों और ड्रेनेज की सफाई के काम पूर्ण करने के साथ ही बरसात में जल भराव रोकने जरूरी उपाय करने को कहा। श्री साव ने सभी सीएमओ को मुख्यालय में ही निवास करते हुए प्रतिदिन प्रातः भ्रमण कर शहर की साफ-सफाई और विकास कार्यों की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने भ्रमण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी अपने साथ रखने को कहा। उन्होंने सीएमओ द्वारा प्रातः भ्रमण में की जा रही कोताही पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए रोजाना अनिवार्यतः कार्यों के निरीक्षण के निर्देश दिए।

श्री साव ने शहरों में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए बच्चों के लिए खेल के मैदानों और उद्यानों के लिए जगहों का चिन्हांकन करने को कहा। उन्होंने कुनकुरी और अंबागढ़-चौकी में निर्माणाधीन नालंदा परिसरों का निर्माण इस साल दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्री साव ने पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था पर दूरदर्शिता से काम करते हुए अगले दस वर्षों के लिए पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा।

गंगरेल बांध के उन्नयन को मिली रफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। धमतरी जिले में स्थित रविशंकर सागर जलाशय, जिसे गंगरेल बांध के नाम से जाना जाता है, को अब उन्नयन और महत्वपूर्ण मरम्मत कार्यों के जरिए और अधिक सुदृढ़ व सुरक्षित बनाया जाएगा। राज्य शासन ने बांध की दीर्घकालिक सुरक्षा और संरचनात्मक मजबूती के लिए 65.5 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस पहल से न केवल बांध की आयु में वृद्धि होगी, बल्कि डैम सेफ्टी के मानकों को भी नई मजबूती मिलेगी।

प्रस्तावित कार्यों के अंतर्गत वर्टिकल प्रेशर ड्रेन की सफाई सहित अन्य आवश्यक संधारण कार्य किए जाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इन आधुनिक तकनीकों के उपयोग से बांध की आंतरिक संरचना सुदृढ़ होगी और जल रिसाव की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा। कलेक्टर ने इस परियोजना को प्राथमिकता देते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने टेंडर प्रक्रिया में तेजी लाने, गुणवत्ता मानकों के कड़ाई से पालन और कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1978 में निर्मित यह बहुउद्देशीय जलाशय पिछले लगभग चार दशकों से अधिक समय से क्षेत्र की जीवनरेखा बना हुआ है। गंगरेल बांध के माध्यम से नहरों द्वारा धमतरी सहित कई जिलों में हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई की जाती है। इसके साथ ही यह जलाशय पेयजल आपूर्ति, औद्योगिक उपयोग और 11.2 मेगावाट विद्युत उत्पादन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कलेक्टर ने कहा, 'रविशंकर सागर जलाशय केवल धमतरी ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जीवनरेखा है। इसकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वीकृत कार्यों से बांध की संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित होगी और सीपेज की समस्या का वैज्ञानिक समाधान किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सतत मॉनिटरिंग, गुणवत्ता परीक्षण और समयबद्ध कार्य योजना तैयार की गई है।

एक पोकलेन और 3 हाइवा जब्त

शासकीय भूमि से हो रहा था अवैध खनन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुंगेली जिले में अवैध उत्खनन पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि से अवैध खनन में संलिप्त एक पोकलेन मशीन और तीन हाइवा वाहनों को जब्त किया है। कलेक्टर के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में मुंगेली विकासखंड के ग्राम अमरटापू (मोतिमपुर) क्षेत्र में बिना अनुमति खनन कार्य संचालित पाया गया। जानकारी के अनुसार मुंगेली एसडीएम के नेतृत्व में राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने सूचना के आधार पर मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान शासकीय भूमि पर अवैध रूप से खनिज उत्खनन किया जा रहा था, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित मशीनरी एवं वाहनों को जब्त कर लिया गया।

जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिले में लगातार निगरानी रखी जा रही है। इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन का कहना है कि शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

रायपुर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के क्रियान्वयन में सूरजपुर बना प्रदेश में प्रथम स्थान पर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के प्रभावी क्रियान्वयन ने ग्रामीण भारत में आवास परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया है, जिससे सभी के लिए आवास का सपना साकार हो रहा है। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन में विगत दो वर्ष (वित्तीय वर्ष 2024-26) में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह सफलता जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी के कुशल निर्देशन एवं सतत मॉनिटरिंग और समर्पित प्रयासों का परिणाम है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) ने पारदर्शी तरीके से लाभार्थियों को सीधे सहायता प्रदान करके और अन्य योजनाओं के साथ तालमेल बिठाकर ग्रामीण राज्य में आवास की कमी को कम करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। गौरतलब है कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत जिले में कुल 72 हजार 368 पात्र परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए थे, इनमें से अब तक 63 हजार 947 आवासों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है, जो कि 88.36 प्रतिशत की प्रभावशाली उपलब्धि को दर्शाता है। यह आंकड़ा न केवल प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर सुधारने की दिशा में एक ठोस कदम भी है।

वित्तीय प्रबंधन के स्तर पर भी सूरजपुर जिला राज्य में अग्रणी रहा है। आवास निर्माण के लिए निर्धारित 868.42 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 809.23 करोड़ रुपये, अर्थात् 93.18 प्रतिशत राशि सीधे हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, इससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है और निर्माण कार्य में तेजी आई है। इसके साथ ही, जिले में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 'आवास प्लस 2.0' के तहत 1.40 लाख से अधिक परिवारों का नवीन सर्वे भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे आने वाले समय में और अधिक जरूरतमंद परिवारों को योजना का लाभ मिल सकेगा। जिला प्रशासन की सक्रियता, जमीनी स्तर पर निरंतर निगरानी और हितग्राहियों की सहभागिता ने इस योजना को एक जन-आंदोलन का रूप दे दिया है।

पीडीएस की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित

उचित मूल्य दुकानों में चावल की पर्याप्त उपलब्धता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खाद्य नियंत्रक जिला रायपुर द्वारा बताया गया कि पी डी एस की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। राशन दुकानों में (उचित मूल्य दुकानों) में चावल की पर्याप्त उपलब्धता है। राज्य में हितग्राहियों को नियमित रूप से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है तथा किसी भी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। विभागीय भंडारण में पर्याप्त मात्रा में चावल उपलब्ध है और वितरण कार्य निरंतर जारी है।

राज्य के खाद्य विभाग ने राशन दुकानों में चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली (च्वै) के तहत खाद्यान्न वितरण पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। विभाग के अनुसार माह के प्रारंभिक दिनों में कुछ उचित मूल्य की दुकानों पर हितग्राहियों की अधिक उपस्थिति के कारण अस्थायी रूप से कतार की स्थिति बन जाती है। हालांकि स्थानीय स्तर पर व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं, जिससे वितरण कार्य सुचारू रूप से हो सके। खाद्य विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी दुकान विशेष में अस्थायी समस्या उत्पन्न होती है।

मनरेगा की 'डबरी' और 'बिहान' के सहयोग से सविता बनीं आत्मनिर्भर

मछली पालन और सब्जी उत्पादन से बढ़ी आय, ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की बनी मिसाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की लोक-कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिल रही है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और 'बिहान' के समन्वय से महिलाएं स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसी क्रम में सरगुजा जिले के 'रिमा' स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती सविता ने अपनी मेहनत और योजनाओं के बेहतर उपयोग से आर्थिक समृद्धि की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है।

डबरी निर्माण से खुला आय का नया रास्ताः श्रीमती सविता ने बताया कि दो वर्ष पूर्व उन्होंने मनरेगा के अंतर्गत अपने खेत में डबरी का निर्माण कराया था। यह डबरी अब उनके लिए बहुउद्देशीय संसाधन बन चुकी है। एक ओर वे इसमें व्यावसायिक स्तर पर मछली पालन कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर इसी जल स्रोत से खेतों की सिंचाई कर रही हैं।

समूह से मिला संबल, बढ़ी आयः स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक सहयोग मिला। उन्होंने समूह से 50 हजार रुपये का ऋण लेकर डबरी में मत्स्य बीज डाले। उचित देखभाल और प्रबंधन के परिणामस्वरूप उन्होंने लगभग डेढ़ लाख रुपये की मछलियों का विक्रय कर अच्छा मुनाफा अर्जित किया।वर्तमान में भी उनकी डबरी में पर्याप्त मात्रा में मछलियां हैं, जिससे आगामी समय में और अधिक आय की संभावना है।

सिंचाई से खेती और पोषण दोनों में लाभः डबरी के पानी से सविता अपने खेतों में साग-भाजी और अन्य फसलों की खेती कर रही हैं। इससे उनके परिवार को पोषक आहार मिल रहा है, साथ ही बाजार में सब्जियां बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त हो रही है।

श्रीमती सविता ने अपनी सफलता का श्रेय शासन की योजनाओं को देते हुए कहा कि इन पहलों ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। एक मां और सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए वे आज एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित हो चुकी हैं।

प्रदेश में मनरेगा और 'बिहान' जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ सम्मानजनक जीवनयापन के अवसर मिल रहे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

संघर्ष से समृद्धि तक के सफर की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी के बीच जीवन यापन करने वाली गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले की सकोला तहसील के ग्राम पंचायत मडई की सुश्री ओमबती आज ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की सशक्त मिसाल बन गई हैं। अपने आत्मविश्वास, मेहनत की बदौलत उन्होंने न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया, बल्कि समाज में एक नई पहचान भी स्थापित की है। ओमबती के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन तब आया, जब वे छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़ीं। इस मिशन ने उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए, साथ ही आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और प्रोत्साहन भी दिया। जयानी जलाक्षी स्वसहायता समूह की सक्रिय सदस्य के रूप में ओमबती ने समूह की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर लघु उद्यमों की शुरुआत की। प्रारंभिक चरण में उन्होंने महुआ लड्डू, नारियल लड्डू एवं मशरूम उत्पादन जैसे व्यवसाय अपनाए। उनकी मेहनत और उत्पादों की गुणवत्ता के चलते स्थानीय बाजारों में इनकी मांग लगातार बढ़ती गई।

वर्तमान में ओमबती प्रतिमाह 8 से 10 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वे अब न केवल आत्मनिर्भर बन चुकी हैं, बल्कि लखपति दीदी बनने की ओर अग्रसर हैं। ओमबती की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि सही दिशा, सशक्त मंच और दृढ़ संकल्प मिले, तो कोई भी महिला अपने जीवन की दिशा बदल सकती है। आज वे अपने परिवार के लिए संबल बनने के साथ-साथ गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा स्रोत बनी हुई हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

अवैध ईंट भट्ठे पर बड़ी कार्रवाई लाखों ईंटें और लकड़ी जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजनांदगांव जिले में राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम माहुलझोपड़ी में संचालित एक अवैध ईट भट्ठे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों की संख्या में ईंटें, लकड़ी एवं अन्य सामग्री जब्त की है। बिना किसी वैध अनुमति एवं दस्तावेज के संचालित इस भट्ठे से लगभग 3 लाख 20 हजार पक्की ईंट, 1 लाख 60 हजार कच्ची ईंट, 70 ट्रॉली मिट्टी तथा 6 ट्रॉली लकड़ी जब्त की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोंगरगांव विकासखण्ड के ग्राम माहुलझोपड़ी में दुर्गा बाई की भूमि पर दाऊ लाल द्वारा अवैध रूप से ईट निर्माण कार्य किया जा रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर कलेक्टर के निर्देशन में संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और संपूर्ण गतिविधि को तत्काल प्रभाव से बंद कराया।

कार्रवाई के दौरान जब्त की गई लकड़ी को सुरक्षार्थ वन विभाग के सुपुर्द किया गया है, वहीं अन्य सामग्री को अग्रिम कार्रवाई तक ग्राम पंचायत गिरगांव के सुपुर्द किया गया है। इस कार्रवाई में नायब तहसीलदार श्री चिराग रामटेके, रेंज ऑफिसर श्री आकाश ठाकुर सहित राजस्व एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध गतिविधियों के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बच्चों का भविष्य हमारी थाली में : पोषण, परवरिश और जीवनशैली का समग्र दृष्टिकोण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आज का बचपन एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। बच्चों में तेजी से बढ़ता मोटापा अब केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली का स्पष्ट संकेत बन चुका है। घंटों मोबाइल और टीवी स्क्रीन के सामने बिताया जाने वाला समय, खेल के मैदानों से बढ़ती दूरी और जंक फूड की सहज उपलब्धता इन तीनों ने मिलकर बच्चों की स्वाभाविक सक्रियता को सीमित कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप और थायरॉइड विकार जैसी बीमारियाँ कम उम्र में ही सामने आने लगी हैं। साथ ही, आत्मविश्वास में कमी, सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियाँ भी तेजी से उभर रही हैं।

छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के बेहतर स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। पोषण, स्वास्थ्य और जन-जागरूकता से जुड़े अभियानों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे हर परिवार तक सही जानकारी और सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु पोषण को केंद्र में रखते हुए अनेक पहलें संचालित की जा रही हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि बच्चों का समग्र विकास केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि परिवार और समाज की संयुक्त भागीदारी से ही संभव है। स्थानीय खाद्य परंपराओं को पुनर्जीवित करना, माताओं को पोषण के प्रति जागरूक करना और बच्चों के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।पारंपरिक आहारः समाधान की मजबूत नींव राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2026 इस बात को पुनः रेखांकित करता है कि स्वस्थ जीवन का रास्ता हमारी अपनी रसोई से होकर गुजरता है। रागी, बाजरा, ज्वार, कोदो-कुटकी जैसे मिलेट्स पोषण का समृद्ध स्रोत हैं। ये न केवल बच्चों के वजन को संतुलित रखने में सहायक हैं, बल्कि पाचन को बेहतर बनाते हैं और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करते हैं। रागी की इडली, बाजरे का उपमा और कोदो की खिचड़ी जैसे व्यंजन स्वाद और स्वास्थ्य का संतुलित संगम प्रस्तुत करते हैं।

पोषण से आगेः समग्र विकास की जिम्मेदारी बच्चों का स्वास्थ्य केवल भोजन तक सीमित नहीं है। यह एक साझा जिम्मेदारी है, जिसमें परिवार, विद्यालय और समाज सभी की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। जब माता-पिता बच्चों की थाली में विविधता और संतुलन सुनिश्चित करते हैं, शिक्षक पढ़ाई के साथ खेल को भी समान महत्व देते हैं और समाज बच्चों को उनके वजन से नहीं बल्कि उनकी ऊर्जा और जिज्ञासा से आंकता है तभी स्वस्थ और आत्मविश्वासी पीढ़ी का निर्माण संभव होता है।

पहले 1,000 दिनः भविष्य की नींव वैज्ञानिक दृष्टि से गर्भधारण से लेकर बच्चे के दो वर्ष की आयु तक का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यही वह अवधि है, जब बच्चे के मस्तिष्क का सबसे तेज विकास होता है। जन्म के समय जहाँ मस्तिष्क का विकास लगभग 30 प्रतिशत होता है, वहीं पाँच वर्ष की आयु तक यह 90 प्रतिशत तक पहुँच जाता है। इस दौरान माँ का पोषण, परिवार का स्नेह और सकारात्मक वातावरण बच्चे के मानसिक और भावनात्मक विकास की मजबूत आधारशिला तैयार करते हैं। '7 स्टार भोजन थाली ': संतुलित पोषण का सरल मॉडल 7 स्टार भोजन थाली' एक ऐसी अवधारणा है, जो संतुलित और विविध आहार के महत्व को रेखांकित करती है। इसमें विभिन्न पोषक तत्वों अतिरिक्त कैलोरी प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, तरल पदार्थ और विटामिन की पर्याप्त मात्रा का समावेश कर माँ और बच्चे दोनों के लिए आवश्यक पोषण सुनिश्चित किया जाता है। यह पहल केवल एक योजना नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण का आधार है। कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याएँ न केवल माँ को प्रभावित करती हैं, बल्कि बच्चे के जन्म के समय वजन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मस्तिष्क विकास पर भी गहरा असर डालती हैं। पोषण पखवाड़ा हमें यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य कोई सीमित समय का अभियान नहीं, बल्कि एक निरंतर विकसित होने वाली संस्कृति है। यह संस्कृति हर घर की रसोई, हर स्कूल के टिफिन और हर मोहल्ले के खेल मैदान में विकसित होती है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा